राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,16 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–51 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

देश में एक साथ तीन-तीन वायरल संक्रमणों की मार

कोरोना, एच3एन2 व एच1एन1 के बढ़ रहे मामले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश में इन दिनों एक साथ तीन-तीन वायरल संक्रमणों की मार जनता झेल रही है, जिससे डर माहौल पैदा हो गया है। राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में कोविड-19, एच3एन2 और एच1एन1 के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। संक्रमण के मामलों की निगरानी कर रहे आईडीएसपी के मुताबिक 28 फरवरी तक देशभर में एच1एन1 के 955 मामले दर्ज किए गए, इस संक्रमण को स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार देश में एच1एन1 के तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 545, महाराष्ट्र और गुजरात में 170, केरल में 42 और पंजाब में 28 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा आईडीएसपी के डेटा के अनुसार जनवरी के महीने में देशभर में श्वसन संबंधी बीमारी और इन्फ्लुएंजा के 3 लाख 97 हजार मामले सामने आए थे, जो फरवरी में बढ़कर 4 लाख 36 हजार के पार चले गए। एक अधिकारी ने बताया कि मार्च के पहले 9 दिनों में ही इन्फ्लुएंजा के 1 लाख 33 हजार मामले सामने आए हैं। डॉक्टर रोमेल टिकू ने मीडिया को बताया कि बुखार वाले सभी मरीजों की टेस्टिंग नहीं हो रही है, इसकी कोई जरूरत नहीं है। हालांकि सच यह है कि इन वायरल संक्रमणों का मिक्सर चल रहा है। इसकी वजह से इन्फ्लुएंजा के मामलों में उछाल आया है। ऐसे में बुजुर्गों और पहले से मौजूद कॉमरेडिटीज वाले लोगों को अस्पताल में भर्ती करने वालों की संख्या ज्यादा है। एक सीनियर डॉक्टर ने मीडिया को बताया कि स्वाइन फ्लू एच1एन1, इन्फ्लुएंजा ए के सबवैरिएंट एच3एन2 या कोरोना, ये सभी मुख्य रूप से वायरस से फैलते हैं। अगर हम मास्क पहने तो इन तीनों संक्रमण के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। पिछले हफ्ते स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की कि एच3एन2 के संक्रमण के कारण दो लोगों की मौत हो गई थी, ये इन्फ्लुएंजा ए वायरस का सबवेरिएंट है जो मौसमी फ्लू का कारण बनता है।मंत्रालय ने कहा कि डेटा के अनुसार पीड़ित मरीजों के सैंपल की टेस्टिंग करने पर करीब 79 फीसदी लोगों में इन्फ्लूएंजा-ए की पुष्टि हुई। वहीं करीब 14 फीसदी मामलों में इन्फ्लुएंजा बी विक्टोरिया की पुष्टि हुई। इन्फ्लुएंजा-बी भी एक सबवैरिएंट है। इसके अलावा 7 फीसदी लोगों में एच1एन1 यानी स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई, ये तीसरा सबसे ज्यादा पाया जाने वाला इन्फ्लूएंजा वायरस है। हाल ही में देश के कुछ हिस्सों में कोरोना मामलों में उछाल देखा गया है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में 3.24 प्रतिशत कोविड पॉजिटिव रेट दर्ज किया गया है। दिल्ली में 401 सैंपल्स की टेस्टिंग करने पर 13 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के लिए अलर्ट रहने को कहा। उन्होंने कहा कि इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी या गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण के मामलों की निगरानी करने के लिए गाइडलाइन का पालन किया जाना चाहिए। भूषण ने राज्यों को अस्पतालों का निरीक्षण करने और दवाओं और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता जैसी चीजों का जायजा लेने का भी निर्देश दिया।

भाजपा के तूफानी चुनाव अभियान का मुकाबला करने कर्नाटक में राहुल की 20 को मेगा रैली

बैंगलुरु । (एजेंसी)

सत्तारूढ़ भाजपा के तूफानी चुनाव अभियान का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस 20 मार्च को कर्नाटक में एक मेगा रैली की योजना बना रही है, जिसमें राहुल गांधी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस पूरी तैयारी कर रही है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद पहली बार राज्य का दौरा करेंगे। बेलागवी में मेगा रैली का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेलागवी में 10.7 किलोमीटर का रोड शो किया था।

बेलागवी में 18 विधान सभा क्षेत्र हैं। राजनीतिक दलों का फोकस जिले से ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने पर है। कांग्रेस को कुछ साल पहले एक बड़ा झटका तब लगा, जब उसके प्रभावशाली नेता रमेश जरकीहोली भाजपा में शामिल हो गए। वहीं बीजेपी को भी झटका लगा, जब सांसद सुरेश अंगड़ी और विधायक उमेश कट्टी का निधन हो गया। फिलहाल, कर्नाटक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश जरकीहोली के भाई सतीश जरकीहोली बेलागवी में पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और कांग्रेस विधायक लक्ष्मी हेब्बालकर और अंजलि निंबालकर इस क्षेत्र से महत्वपूर्ण नेताओं के रूप में उभर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए राहुल गांधी को ला रही है। पार्टी राहुल गांधी द्वारा एक बड़े चुनावी वादे की घोषणा करने पर भी विचार कर रही है।

662 सीमावर्ती गांवों का होगा वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत विकास : गृह मंत्रालय

सरकार ने 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश को किया शामिल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत अरुणाचल प्रदेश के 455, हिमाचल प्रदेश के 75, लद्दाख के 35, सिक्किम के 46 और उत्तराखंड के 51 सीमावर्ती गांव को प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यक्रमों से जोड़ेगी। गृह मंत्रालय ने लोकसभा में ये जानकारी साझा की है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशित प्रमाणिक ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने 4 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और लद्दाख के 19 जिलों के 46 सीमावर्ती प्रखंडों में उत्तरी सीमा से सटे हुए गांवों के व्यापक विकास के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को स्वीकृति दी है। गृह राज्यमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक 4800 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक विकास, आजीविका के अवसर सृजन, सड़क मार्ग संपर्क, आवास एवं ग्राम अवसंरचना, पारंपरिक एवं सौर व पवन ऊर्जा के माध्यम से अक्षय ऊर्जा उपलब्ध कराना, सूचना तंत्र आधारित कॉमन सर्विस सेंटर सहित गांवों में दूरदर्शन और दूरसंचार कनेक्टिविटी की स्थापना और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा, वित्तीय समावेशन कौशल विकास एवं उद्यमिता कृषि बागवानी, औषधीय जड़ी बूटी की खेती आदि सहित आजीविका के अवसरों के प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर सहकारी समितियों का विकास करेगी।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला: तीसरी बार सीबीआई के समक्ष पेश नहीं हुए तेजस्वी यादव

नई दिल्ली/पटना: नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को तीसरी बार केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की पूछताछ में शामिल नहीं हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 4 मार्च और 11 मार्च को पेश नहीं होने पर यादव को मंगलवार को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि तेजस्वी मंगलवार को तीसरे नोटिस पर भी पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। सीबीआई ने हाल में यादव के पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से क्रमशः दिल्ली और पटना में पूछताछ की थी। सीबीआई ने नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और अन्य 14 के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र रचने और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है और सभी आरोपियों को विशेष अदालत ने 15 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। यादव परिवार ने इन आरोपों से इनकार किया है।

18 मार्च से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर जाएंगे गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 18-19 मार्च को गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान अमित शाह डेयरी उद्योग सम्मेलन और दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके अलावा वह जूनागढ़ जिला बैंक मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे और सोमनाथ मंदिर में पूजा अर्चना भी करेंगे। अधिकारियों के अनुसार गृह मंत्री 18 मार्च को भारतीय डेयरी संघ की ओर से गांधीनगर में आयोजित 49वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा वह जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होंगे और गांधीनगर सिविल अस्पताल में मुफ्त भोजन अभियान की शुरुआत करेंगे। शाह वड़ोदरा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने से पहले नारदीपुर तालाब का उद्घाटन करने के अलावा वासन तालाब तथा कलोल के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे। गुजरात के अपने दौरे के दौरान 19 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री जूनागढ़ में एएीएमसी किसान भवन का उद्घाटन करेंगे और जूनागढ़ जिला बैंक के मुख्यालय का शिलान्यास भी करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि वह सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के अलावा सोमनाथ ट्रस्ट के मोबाइल ऐप का शुभारंभ करेंगे और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत भी करेंगे। शाम को अमित शाह गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

SCO समिट के लिए भारत ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को भेजा न्योता, इस्लामाबाद के आधिकारिक बयान का इंतजार

नेशनल डेस्क: भारत ने अगले महीने दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की होने वाली बैठक के लिए पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को निमंत्रण भेजा है। मीडिया में बुधवार को प्रकाशित खबरों में यह जानकारी दी गई। इस समय भारत के पास एससीओ की अध्यक्षता है जिसमें चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। एससीओ अध्यक्ष होने के नाते भारत को बैठकों की श्रृंखला की मेजबानी करनी है। राजनयिक सूत्रों ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार को बताया कि भारत सरकार ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से पाकिस्तान के विदेश विभाग से निमंत्रण (पत्र) साझा किया। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित खबर की अबतक भारत ने पुष्टि नहीं की है। खबर में दावा किया गया है कि भारत ने इससे पहले पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल को आमंत्रित किया था और एसीओ विदेश मंत्रियों की बैठक का निमंत्रण भी साझा किया था। खबर के मुताबिक पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश हालांकि, एससीओ मुख्य न्यायाधीश की बैठक में शामिल नहीं हुए और उनकी जगह पर न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये हाल में संपन्न उक्त बैठक में हिस्सा लिया।

टेरर फंडिंग का पाकिस्तान कनेक्शन: NIA ने 1 दिन में जम्मू-कश्मीर की 14 जगहों पर की छापेमारी

एजेंसी। पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी आकाओं के संपर्क में रह रहे करीब एक दर्जन संदिग्धों की पहचान की गई है जिसके आधार पर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में कई छापेमारी की कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जून 2022 में एनआईए ने स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रतिबंधित संगठनों के ओवर ग्राउंड वर्कर और काडर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी जो पाकिस्तानी कमांडरों या आकाओं के निर्देश पर छद्म नामों से काम कर रहे थे। संघीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि साल 2022 में की गई कार्रवाई की कड़ी में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, बारामूला, पुलवामा, अनंतनाग, बडगाम और कठुआ सहित छह जिलों के 14 स्थानों और पंजाब के फतेहगढ़ साहिब के एक ठिकाने पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को इन ठिकानों पर की गई छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण और अपराध में संलिप्तता से जुड़ी सामग्री जब्त की गई व आगे की जांच चल रही है।

महिला आयोग की तरह बने 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग'...जानिए सुप्रीम कोर्ट में क्यों पहुंचा मामला

एजेंसी। (एजेंसी)

घरेलू हिंसा के शिकार विवाहित पुरुषों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों से निपटने के लिए दिशा-निर्देश और 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग' (National Commission for Men) बनाने के अनुरोध को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता महेश कुमार तिवारी द्वारा दायर याचिका में देश में दुर्घटनावश मौतों के संबंध में 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों का हवाला दिया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि उस वर्ष देशभर में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। याचिका में कहा गया है कि इनमें से आत्महत्या करने वाले विवाहित पुरुषों की संख्या 81,063 थी जबकि 28,680 विवाहित महिलाएं थीं। याचिका में एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया, ''साल 2021 में लगभग 33.2 प्रतिशत पुरुषों ने पारिवारिक समस्याओं के कारण और 4.8 प्रतिशत ने विवाह संबंधी वजहों से अपना जीवन समाप्त कर लिया।

साल 2022 में दुनिया का 8वां सबसे प्रदूषित देश भारत

लोग सात गुना जहरीली हवा में सांस ले रहे

नई दिल्ली । (एजेंसी)

साल 2022 में दुनिया का 8वां सबसे प्रदूषित देश भारत रहा। साल 2021 में भारत 5वें स्थान पर था। चिंता की बात है कि भारत के लोग विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से सात गुना जहरीली हवा में सांस ले रहे हैं। रिपोर्ट में 2022 के प्रदूषण के आधार पर 131 देशों का आकलन हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित 20 शहरों में 19 एशिया के हैं, जिनमें 14 भारतीय शहर हैं। टॉप 50 प्रदूषित शहरों में 39 भारत के हैं। भारत का सबसे प्रदूषित शहर राजस्थान का भिवाड़ी रहा। महानगरों में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली रही है। प्रदूषित राजधानियों में नई दिल्ली दूसरे पायदान पर है। साल 2021 में यह सबसे प्रदूषित थी। भारत के करीब 60 प्रतिशत शहरों में प्रदूषण विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से सात गुना अधिक है। साल 2022 में भारत में हवा में प्रदूषण नापने की इकाई पीएम 2.5 में कुछ गिरावट आई है। इसका स्तर 53.3 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर रहा। यह 2021 (58.1 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर) की तुलना में थोड़ा कम है। साल 2022 में ही भारत ने नैशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के लक्ष्य में बदलाव किया और 2026 तक प्रदूषण में 40 प्रतिशत कमी करने की बात कही थी। वायु प्रदूषण भारत के लिए बड़ा खतरा है। सरकार को इसे कम करने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उद्योगों, गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए सख्त नियमों की जरूरत है। इसके साथ ही सरकार को पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में निवेश करने की जरूरत है।

सत्ता और विपक्षी दलों के हंगामे के बीच संसद गुरुवार तक के लिए स्थगित

बजट सत्र के दूसरे चरण में तीसरे दिन भी कार्रवाई पूरी नहीं हुई

नई दिल्ली । (एजेंसी)

संसद में बुधवार को जबरदस्त तरीके से तीसरे दिन भी हंगामा जारी रहा। बुधवार को भी संसद के दोनों सदनों में कार्यवाही पूरी नहीं हो सकी। सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित हो गई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारतीय लोकतंत्र को लेकर लंदन में दिए गए बयान पर सत्ता पक्ष के सदस्यों और अडाणी समूह से जुड़े मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही बुधवार को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजकर करीब 12 मिनट पर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

वहीं, राज्यसभा में भी इन्ही मुद्दों को लेकर हंगामा होता रहा। हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर करीब पांच मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में सदन की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल चलाने का निर्देश दिया। इस बीच कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य आसन के समीप आकर अडाणी समूह से जुड़े मुद्दे पर जेपीसी जांच की अपनी मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। कुछ विपक्षी सदस्यों के हाथों में तख्तियां भी थीं। उधर सत्तापक्ष के कुछ सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर विदेश में राहुल गांधी के भारतीय लोकतंत्र को लेकर दिए बयान पर उनसे माफी की मांग करने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने आसन के पास तख्तियां दिखा रहे विपक्षी सदस्यों को चेतावनी भी दी।

राज्यसभा में बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत कार्यस्थगन कर चर्चा के लिए उन्हें 11 नोटिस मिले हैं। धनखड़ के इतना कहते ही सत्ता पक्ष के सदस्यों ने 'राहुल गांधी माफी मांगें' के नारे लगाने शुरु कर दिए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि फरवरी 2023 तक यूएपीए की चौथी अनुसूची और पहली अनुसूची के तहत अब तक 54 आतंकवादियों और 44 आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध किया गया है।

दो वर्ष में 371 महिला वैज्ञानिकों का चयन हुआ: सरकार

मोदी सरकार ने बताया कि पिछले दो वर्ष में महिला वैज्ञानिक योजना के तहत 1,198 महिलाओं ने आवेदन दिया और इसमें से 371 महिला वैज्ञानिकों का चयन किया गया। लोकसभा में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के प्रश्न के लिखित उत्तर में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डा. जितेन्द्र सिंह ने इसकी जानकारी दी।

329 शहरों में सभी लाइसेंस सेवा क्षेत्रों के लिए 5जी सेवाएं शुरू

मोदी सरकार ने लोकसभा को बताया कि देश के 329 शहरों में 5जी सेवाएं सभी लाइसेंस सेवा क्षेत्रों के लिए शुरू कर दी गई हैं। लोकसभा में रवनीत सिंह के प्रश्न के लिखित उत्तर में संचार राज्य मंत्री देबुसिंह चौहान ने इसकी जानकारी दी।

'ओडीएएस' विकसित किया गया

बुधवार को सदन में ऑक्सीजन को जन स्वास्थ्य से संबद्ध अहम जरूरत बताकर मोदी सरकार ने कहा कि सभी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों से चिकित्सकीय ऑक्सीजन की मांग का पता लगाने के लिए ''ऑक्सीजन डिमांड एग्रीगेशन सिस्टम'' (ओडीएएस) विकसित किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सदन में अशोभनीय

मंगलवार को जिस समय देश की संसद में सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लंदन में दिए गए एक बयान के लिए उनसे माफी की मांग करते हुए और विपक्षी सदस्य अडानी समूह के मामले में जेपीसी की मांग के साथ सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे थे, ठीक उसी वक्त बिहार विधानसभा में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी व राजग के विधायकों और सत्तारूढ़ महागठबंधन के सदस्यों के बीच शाब्दिक घमासान मचा हुआ था। विधानसभा में गाली-गलौज और माइक तोड़ने जैसी अशोभनीय घटनाओं के आरोप लगे। बाद में माइक तोड़ने के आरोपी भाजपा विधायक को दो दिन के लिए निलंबित भी कर दिया गया। बहरहाल, विधायी सदनों में जोरदार विरोध न तो अप्रत्याशित है और न ही असांविधानिक, मगर इसकी एक सीमा है, जिसके आगे संसदीय व लोक-मर्यादा का हनन होता है। हमारी संसदीय प्रणाली में असहमति व विरोध जताने के लिए कई स्थापित परंपराएं हैं, जिनके जरिये विपक्ष या असहमत सदस्य पूरे सदन और देश-सूबे के लोगों तक अपनी बात पहुंचाता है। इससे सरकार पर भी दबाव बनता है। लेकिन ऐसा लगता है कि हमारे माननीय जनता में अपनी छवि को लेकर बहुत सजग नहीं हैं। बिहार विधानसभा में हुई मंगलवार की घटना कोई पहली या किसी इकलौते सूबे की बात नहीं है। अमूमन हरेक विधानसभा में अब ऐसे अप्रिय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं, बल्कि कई मंजर तो शर्मनाक नजीर के रूप में हमारे जेहन में दर्ज हो चुके हैं। गौर कीजिए, इन्हीं वजहों से कई बार सुप्रीम कोर्ट को सदन के भीतर की कार्यवाही की वीडियो रिकॉर्डिंग कराने तक के आदेश देने पड़े। यह अपने आप में हमारे माननीयों के क्रिया-कलाप पर बेहद कटु टिप्पणी है, मगर दुर्योग से हमारा राजनीतिक वर्ग इसके बाद भी सुधरता हुआ नहीं दिख रहा। लोकतंत्र में तीखी से तीखी आलोचना और बहस की पूरी गुंजाइश है, फिर हमारे माननीय असंसदीय आचरण पर क्यों उतरने लगे हैं? दरअसल, अपने-अपने आकाओं को रिझाने का उतावलापन उनसे ऐसा करवाता है। ऐसे में, हर पार्टी के संसदीय दल के नेता को यह देखना चाहिए कि उनके साथी सदस्य सदन की गरिमा से न खेलें। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तो कुछ अरसा पहले तक विधानसभा अध्यक्ष के आसन पर विराजमान हुआ करते थे। सदन चलाने की मुश्किलों से वह बेहतर वाकिफ होंगे। कल तक भाजपा और जद-यू साथ-साथ थे। चूंकि विधायी सदनों की कार्यवाही अब बाकायदा प्रसारित होती है, ऐसे में उनमें उपस्थित हरेक सदस्य की गतिविधि आम नागरिक की निगाहों से गुजरती है। इसलिए विधानमंडल दलों के नेताओं को अपने साथी विधायकों को सदन की गरिमा के प्रतिकूल आचरण से रोकना होगा। विडंबना यह है कि इन दिनों सत्ता पक्ष भी आक्रामक होने लगा है, जबकि सदन को चलाने की महती जिम्मेदारी सरकार पर होती है। संसदीय कार्य मंत्रियों का मूल दायित्व ही बेहतर 'फ्लोर मैनेजमेंट' है, ताकि सार्थक बहस के साथ ज्यादा से ज्यादा विधायी काम निपटाए जा सकें। मगर इसकी कमी अब हर विधायी सदन में महसूस की जाने लगी है। हमारे सांसदों-विधायकों को सुनाने से पहले अब सुनने की आदत डालनी चाहिए। कहने की जरूरत नहीं कि विधायकों के बेहतर प्रशिक्षण से ही हमारे विधायी सदन अराजक अखाड़ा बनने से बच सकेंगे और पार्टियां व सरकारें जगहंसाई से बच पाएंगी।

आसान नहीं मोटे अनाज को बढ़ावा देने की राह

दिनेश सी. शर्मा

संयुक्त राष्ट्र और भारत की केंद्रीय सरकार द्वारा साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के बाद सरकारी एजेंसियों की हरचंद कोशिश रहेगी कि भारत को मोटा अनाज उत्पादन और निर्यात का मुख्य धुरा बनाया जाए। मोटा अनाज मानव के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए वैसे भी अच्छा होता है और यह तीखे मौसम में भी उगाए जा सकते हैं। तथ्य है कि सदियों से मोटा अनाज भारतीय भोजन का हिस्सा और खुराक रहे हैं। वर्ष 1960 के दशक तक ज्वार, बाजरा और रागी का अंश भारतीयों के भोजन में लगभग एक-चौथाई हुआ करता था। लेकिन हरित क्रांति में धान और गेहूं की फसल को मिली तरजीह के बाद इनका अंश कम होता चला गया। जब से मोटे अनाज का उत्पादन और खपत कम होनी शुरू हुई तब से अब तक हमारी भोजन और खुराक संबंधी आदतें पूरी तरह बदल चुकी हैं। पिछले कुछ दशकों से हम निर्णायक रूप से महीन, प्रसंस्करित, पैकेट बंद और रेडी-टू-कुक भोजन की ओर मुड़ गए हैं। खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा 1960-70 के दशक से मिलना शुरू हुआ था ताकि खाद्यान्न की बर्बादी रोकी जा सके और कृषि उत्पाद का भंडारण लंबे समय तक हो पाए।प्रसंस्करित और पैकेट बंद खाद्य पदार्थों की ओर जाना आर्थिक उदारवाद लागू होने के बाद ज्यादा तेजी से हुआ। वर्ष 1991 के बाद, बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में प्रसंस्करित और अति-प्रसंस्करित खाद्य पदार्थों के अलावा अधिक चीनी युक्त पदार्थ उतारने शुरू किए। इस श्रेणी के खाद्य को जंक फूड यानी कबाड़ भोज कहा जाता है, इन अति-प्रसंस्करित पदार्थों में चीनी, नमक और वसा (सेचुरेटेड और अनसेचुरेटेड) की काफी मात्रा होती है, इनके आने के बाद भारतीयों में मोटापा और असंक्रमित रोगों का इजाफा होने लगा। ऐसी स्थिति में मोटे अनाज को भोजन का मुख्य हिस्सा बनाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। एक ओर किसानों को मौजूदा गेहूं-चावल वाले मुख्य फसल चक्र से हटकर इसकी पैदावार के लिए प्रेरित करना मुश्किल होगा तो दूसरी तरफ उपभोक्ता को अपनी खानपान आदतें सुधारने के लिए शिक्षित करना पड़ेगा। तिस पर यह डर यह है कि जंक फूड उद्योग अपनी प्रचार ताकत से मोटे अनाज के प्रति लोगों की रुचि पैदा ही न होने दें। जब से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जंक फूड को असंक्रमित रोगों के जोखिम का मुख्य कारक ठहराया है और नई पीढ़ी में जंक फूड के प्रचार-प्रसार को नियंत्रण करने के लिए नीतियां सुझाई हैं, तब से खाद्य कंपनियां अपने उत्पाद को किसी भी हीले-हवाले 'स्वास्थ्यप्रद' और 'प्राकृतिक' बताने का प्रयास करने लगी हैं। इसका रूप हमें मल्टीग्रेन बिस्किट, कम चीनी वाले कोला पेय, आटा, नूडल्स और 'दिल-मित्र खाद्य तेल', फूट जूस इत्यादि में देखने को मिल रहा है और उन्हें घर में बने-उगाए भोजन-सब्जियों-फलों का सही विकल्प बताया जा रहा है। कुछ जंक फूड कंपनियों ने पहले ही हैदराबाद स्थित आईसीएमआर - राष्ट्रीय मोटा अनाज अनुसंधान केंद्र का दरवाज़ा खटखटाना शुरू कर दिया है। जंक फूड कंपनियों द्वारा अपने उत्पाद को स्वास्थ्यप्रद बताने का एक तरीका है पैकेट पर बड़े-बड़े दावे करते हुए मुख्य घटक और मिलाये गए नुकसानदायक अवयवों की जानकारी छिपाना। भारत की खाद्य नियामक संहिता के अनुसार सभी खाद्य पैकेटों पर तयशुदा सारणी के अनुसार 'पौष्टिकता सूचना' लिखना अनिवार्य है, जिसमें मुख्यतः चीनी, वसा, कार्बोहाईड्रेट्स इत्यादि की जानकारी होती है। अब अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नियमन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक संस्थान ने प्रस्ताव दिया है कि खाद्य-पैकेट के मुख्य पार्श्व पर पौष्टिकता-अवयव संबंधी लघु जानकारी देने के अलावा पिछले हिस्से पर तफ्सील देना जरूरी किया जाए। कहा जा रहा है कि इससे ग्राहक को अपनी सेहत स्थिति के मुताबिक उत्पाद चुनने में मदद मिलेगी। यह सूचना आसानी से समझ में आने वाले चिन्हों या फिर पंक्ति (जैसा कि उत्पाद शाकाहारी है या गैर-शाकाहारी बताने में किया जाता है) के रूप में हो सकती है। इस बाबत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यकर्ताओं का सुझाव है कि यह ट्रैफिक सिग्नल सरीखे चेतावनी चिन्हों का प्रयोग करके हो सकती है वहीं खाद्य कंपनियां हेल्थ स्टार रेटिंग अथवा पौष्टिक स्टार रेटिंग का सुझाव दे रही हैं (जैसा कि विद्युत उपरकरणों पर बिजली खपत के बारे में होता है)। लेकिन स्टार रेटिंग व्यवस्था वास्तव में भ्रामक हो सकती है क्योंकि स्टार का चिन्ह लगते ही, भले ही एक हो या दो, ग्राहक को लगेगा कि खाद्य पदार्थ कुछ तो ठीक है। लोकल सर्कल नामक एजेंसी द्वारा करवाया उपभोक्ता सर्वे बताता है कि 10 में 7 ग्राहक चाहते हैं कि खाद्य-पैकेटों पर सामने की ओर चेतावनी संकेत जैसे कि लाल बिंदु होना चाहिए ताकि शिनाख्त करना आसान हो सके। अब हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान ने सूचना के विविध तरीकों पर ग्राहकों की राय जानने के लिए अध्ययन करवाया है। इसका निष्कर्ष है कि अगर पौष्टिकता और खतरे संबंधी सूचना का मकसद उपभोक्ता को इनको लेकर चिंताओं के बारे अवगत करवाकर खरीदने या न खरीदने का फैसला करवाना है तो पैकेट के अग्र भाग पर चेतावनी-संकेतक लेबल और पिछले हिस्से पर पौष्टिकता रेटिंग वाली प्रणाली ज्यादा मददगार होगी। किसी खाद्य पदार्थ की सकारात्मता संबंधी कुछ जानकारी उसमें प्रयुक्त फल, सब्जियां, फलियां, मोटे अनाज इत्यादि तो कुछ पौष्टिकता संबंधी तफ्सील से की जा सकती है। जहां तक स्टार रेटिंग वाले तरीके की बात है, जिसकी वकालत खाद्य कंपनियां और भारतीय खाद्य सुरक्षा नियामक भी कर रहा है- तो अध्ययन बताता है कि दो स्टार होने पर भी (अर्थात यह उत्पाद उतना स्वास्थ्यप्रद नहीं है) उपभोक्ता को लगेगा है इसमें 'चलो कुछ तो मिलेगा' और वह अन्य उत्पाद खरीदने में कम रुचि लेता है। इसके अलावा स्टार रेटिंग उन नियमों पर आधारित होगी जिनमें हेराफेरी होने और उद्योग द्वारा अपने उत्पाद को किसी भी तरीके से बढ़िया बताने वाली दलीलों से प्रभावित होने की गुंजाइश बनी रहेगी जबकि लेबल आधारित व्यवस्था वास्तविक अवयव बताएगी। किसी उत्पाद, जैसे कि बिस्किट, पास्ता या नूडल्स में सिर्फ थोड़ा से ज्वार या बाजरा मिला देने से उसकी पात्रता 'स्वास्थ्यप्रद' या 'पौष्टिकतापूर्ण' ठप्पा पाने की नहीं बन जाती। यहां सवाल आता है ग्राहक में पौष्टिकता संबंधी जागरूकता का, राष्ट्रीय पौष्टिकता संस्थान ने अपने अध्ययन में उपभोक्ताओं में इसकी काफी कमी पाई है। इस अध्ययन में शामिल हुए लोगों में अधिकांश का दावा था कि वे पैकेट पर लिखी जानकारी पढ़ते तो हैं लेकिन यह मुख्यतः उत्पादन-तिथि और बेकार-तिथि तक सीमित होती है। हालांकि पैकेट पर उत्पाद शाकाहारी है या गैर-शाकाहारी, इनकी सूचना देना ज्यादा प्रचलन में है। इसलिए ग्राहक को जंक फूड के अस्वस्थकारी पहलू के बारे में सचेत करना है तो चेतावनी पैकेट अग्र-पार्श्व पर संकेत के रूप में होनी चाहिए। रंग आधारित कोड वाला लेबल ग्राहकों को आंशिक स्वास्थ्यप्रद या गैर-स्वास्थ्यप्रद उत्पाद चुनने में हतोत्साहित करेंगे। लेबलिंग किसी भी प्रकार की हो, इसकी सफलता के लिए पहले ग्राहक को राष्ट्रीय प्रचार अभियानों के जरिए जागरूक करना पड़ेगा, वर्ना जंक फूड उद्योग अपनी ताकत और नियामक संस्थान में 'मित्रों' के बूते मोटे अनाज और अन्य स्वास्थ्यप्रद विकल्प अभियान का अपहरण कर लेंगे।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के स्तंभकार हैं।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।ड्ड

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

जरूरतमंद की मदद के लिए देना ही देवत्व

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

भारत की संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की धारणा को लेकर चली है, जहां हम खुद भूखे रह कर भी दूसरों को अन्न-जल देने में विश्वास करते आए हैं। यानी अपनी आवश्यकताओं को सीमित करते हुए दूसरों की मदद करने का संकल्प। यह देश तो उन महर्षि दधीचि का है, जिन्होंने देवताओं की प्राणरक्षा के लिए अपनी अस्थियों का दान कर दिया था। यहां उन दानवीर कर्ण को आदर्श माना जाता है, जिन्होंने 'कवच और कुंडल' दान में देकर अपना नाम 'दानवीरों' में सब से ऊपर अंकित करा लिया है। यानी अपनी सुरक्षा के लिये जरूरी कवच का त्याग नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिये दान दे दिया । एक दोहा है :-

'जीवन लेने का नहीं, देने का है नाम।
जिसको देना आ गया, गूंजा उसका काम।'

निःसंदेह, जब हम दूसरों के लिए अपना सर्वस्व देने को तत्पर हो जाते हैं, तभी हमारे जीवन का वह आदर्श पूर्ण होता है, जो महर्षि वेदव्यास जी ने अठारह पुराणों की रचना करने के बाद 'निष्कर्ष' बताते हुए लिखा है :-

'अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्,
परोपकारः पुण्याय, पापाय परपीडनम्।'

अर्थात् संसार में 'परोपकार' सबसे बड़ा पुण्य है और पर पीड़ा सबसे बड़ा पाप होता है। भारतीय अवधारणा रही है कि परोपकार से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं। जिससे भक्ति सार्थक होती है।

आज इसी विचार को लेकर एक बड़ी ही हृदयस्पर्शी और प्रेरक बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो अपने सभी विद्वान पाठकों से साझा करना चाहता हूं। यह बोधकथा इस प्रकार है :-

'एक बार की बात है कि एक शिक्षक किसी अमीर परिवार के अपने एक युवा शिष्य के साथ जंगल में स्थित खेतों की तरफ टहलने निकले। दोनों ने देखा कि रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते पड़े हुए हैं। वे जूते संभवतः पास के खेत में काम कर रहे किसी गरीब मजदूर के थे, जो अपना काम ख़त्म कर घर वापस जाने की तैयारी में था। तभी उस अमीर शिष्य को अपनी अमीरी के दंभ के चलते मजाक सूझा और उसने शिक्षक से कहा, 'गुरु जी, क्यों न हम ये जूते कहीं छिपाकर झाड़ियों के पीछे छिप जाएं; जब वो मजदूर इन्हें यहां नहीं पाकर घबराएगा, तो बड़ा मजा आएगा!' शिष्य की बात सुनकर शिक्षक को अच्छा नहीं लगा। वे अपने शिष्य को सबक सिखाना चाहते थे। वे अपने अमीर परिवार के शिष्य से बोले, 'किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना कदापि ठीक नहीं है। क्यों न, हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखें कि इसका उस मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है?' शिष्य ने ऐसा ही किया और वे दोनों पास की झाड़ी में छुप गए। मजदूर अपना काम ख़त्म कर जूतों की जगह आया। तब उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाला, उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ। उसने जल्दी से जूता हाथ में लिया। देखा तो जूते के अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वो सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट-पलट कर देखने लगा। फिर उसने इधर-उधर देखा। जब उसे वहां कोई नज़र नहीं आया, तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने दूसरा जूता उठाया, उसमें भी उसे तब कुछ सिक्के पड़े मिले, तो मजदूर भाव-विभोर हो उठा और उसकी आंखों में आंसू आ गए। उसने हाथ जोड़कर कहा, 'हे भगवान! आज तो समय पर प्राप्त इस सहायता के लिए मैं अपने उस अनजान सहायक का लाख-लाख धन्यवाद करता हूं। उसकी सहायता और दयालुता के कारण ही आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और मेरे भूखे बच्चों को रोटी तो मिल सकेगी।' मजदूर की बातें सुनकर शिष्य की आंखें भर आयीं। तब शिक्षक ने शिष्य से कहा, 'क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा मजदूर के जूतों में सिक्के डालने से तुम्हें कम खुशी मिली है?' शिष्य बोला, 'गुरुदेव! आपने आज मुझे जीवन का जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवनभर नहीं भूलूंगा। आज मैं बात अच्छी तरह समझ गया हूं कि 'किसी से कुछ लेने की अपेक्षा देना' कहीं अधिक आनंददायी होता है। सच मानिए, देने का आनंद तो असीम है गुरुजी। देना ही देवत्व होता है।'

वास्तव में इस बोधकथा को पढ़ कर अंतर्मन में जो आनंदानुभूति हुई है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती। कभी एक मुक्तक रचा था, जो गहरे निहितार्थ लिये हुए है। वह मुक्तक यह है :-

'ले तो सकते हैं सभी, तुम देना सीखो।
कराह सकते हैं सभी, तुम सहना सीखो।
बेबस नयनों में छलकते हों जब आंसू,
हंस तो सकते हैं सभी, तुम रोना सीखो।'

जीवन में महसूस किया है कि जब आप किसी की आंखों में आंसू देखकर रो सकते हैं, तो आप देवत्व को प्राप्त कर लेते हैं। जरा कभी, किसी मजबूर की मदद कर के तो देखिए, स्वयं आपका अंतर्मन ही आपका अभिनंदन करने लगेगा।

विचार मंथन

ब्रिटेन में 21000 प्रवासी भारतीय बेरोजगार

(लेखक - सनत जैन)

ब्रिटेन में 21000 से अधिक प्रवासी भारतीय बेरोजगार हैं। जब से ऋषि सुनक ब्रिटिश सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। उसके बाद से अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाने के लिए, ब्रिटेन की सरकार ने कड़ी नीतियां जारी की हैं। उसका असर अब वैध रूप से ब्रिटेन में रहने वाले भारतीयों पर भी पड़ रहा है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने पिछले 4 सालों में साढ़े चार लाख से ज्यादा आवेदन में से 63000 प्रवासियों को विभिन्न विभाग में नौकरी के आवेदनो को निरस्त किया है। इसमें 21000 से ज्यादा भारतीय प्रवासी भी शामिल हैं। जो अवैध रूप से ब्रिटेन में गए हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी विभागों में नस्ली एवं रंगभेद के कारण भारतीयों को नौकरी नहीं मिली है। उल्लेखनीय है, ब्रिटेन में रंगभेद के कारण दस्तावेज प्रथम दृष्टि में ही खारिज कर दिए जाते हैं। जब से सुनक प्रधानमंत्री बने हैं। उसके बाद इस पर और भी कड़ाई हो गई है। पिछले वर्षों में वैध रूप से गए भारतीयों को भी बैंक में खाता खोलने, हेल्थ केयर की सुविधाएं लेने और यात्रा करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमेन ने प्रधानमंत्री सुनक की कड़ी नीतियों का समर्थन किया है। जिसके कारण वैध प्रवासी भारतीयों को भी बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन की सरकार अवैध रूप से आए हुए प्रवासियों को देश से बाहर भेजना चाहती है। लेकिन जो भारतीय वैध रूप से ब्रिटेन में रह रहे हैं। उनके साथ भी भेदभाव किया जा रहा है। ब्रिटेन सरकार की एक रिपोर्ट में यह स्वीकार भी किया गया है। भारत से आने वाले प्रवासियों के साथ भेदभाव हो रहा है। वैध और अवैध रूप से भारतीय प्रवासियों के बारे में चिन्हित करने के लिए जो नीतियां बनाई गई हैं। वह काफी दोषपूर्ण हैं। जिसका खामियाजा भारतवंशियों को भुगतना पड़ रहा है।

ब्रिटेन में भारत सहित अन्य देशों के लोगों द्वारा बड़ी संख्या में शरण मांगने के आवेदन, ब्रिटेन की सरकार को मिल रहे हैं। ब्रिटेन सरकार इस तरह के आवेदन को खारिज कर रही है। वैध रूप से प्रवासी भारतीयों के आवेदनों को भी अवैध की तरह मानते हुए निर्णय किया जा रहा है। जबकि यूक्रेन से आए हुए लगभग 3,00,000 लोगों को ब्रिटेन ने हाल ही में शरण दी है। ब्रिटेन में भारतवंशी प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के होते हुए भारतवंशियों के साथ जो व्यवहार हो रहा है। उसके कारण भारतीय प्रवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। इस संबंध में भारत सरकार को ब्रिटेन से बात करनी चाहिए। पिछले वर्षों में 21000 वेध भारतीय बेरोजगारी के शिकार होकर,यहां से वहां भटक रहे हैं। यह कोई छोटी-मोटी बात नहीं है।

भारत सरकार को इस दिशा में विशेष पहल करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो अमेरिकी बैंकों की विफलताओं का भारत के बैंकों पर कोई असर नहीं: मूडीज

- एपीएसी बैंकों के लिए एचटीएम प्रतिभूतियों पर उचित मूल्य का नुकसान मामूली होगा

चेन्नई । (एजेंसी)

यूएस में दो निजी बैंकों सिग्नेचर बैंक और सिलिकॉन वैली बैंक की लगातार विफलता वैश्विक ऋण बाजारों में लिक्विडिटी को कड़ा कर देगी, जिसका प्रभाव भारत और एशिया प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में अधिकांश रेटेड वित्त संस्थानों के लिए सीमित होगा। मूडीज ने कहा कि दो अमेरिकी बैंकों के नीचे जाने का प्रभाव संरचनात्मक कारकों के कारण भारत और एपीएसी क्षेत्र के अन्य वित्तीय संस्थानों में सीमित रहेगा। इसके अलावा अधिकांश एपीएसी संस्थान विफल अमेरिकी बैंकों के संपर्क में नहीं हैं और केवल कुछ ही संस्थानों के पास सारहीन जोखिम हैं। अंत में अधिकांश संस्थान ऋण सुरक्षा होल्डिंग्स से बड़े नुकसान के लिए अतिसंवेदनशील नहीं हैं, जैसा कि सिलिकॉन वैली बैंक था। यूएस बैंक की विफलताओं का दूसरा क्रम प्रभाव अभी भी विकसित हो रहा है और इसे करीब से देखा जा रहा है। एपीएसी क्षेत्र में रेटेड बैंकों को ज्यादातर ग्राहकों की जमा राशि से वित्त पोषित किया जाता है, जबकि उनकी बाजार उधारी औसतन उनकी कुल संपत्ति का लगभग 16 प्रतिशत है। मूडीज के अनुसार एपीएसी में अधिकांश प्रणालियों में, सिलिकॉन वैली बैंक के मामले के विपरीत, होल्ड-टू-मैच्योरिटी (एचटीएम) उपकरणों में बैंकों का निवेश आम तौर पर टेंजिबल कॉमन इक्विटी के सापेक्ष पर्याप्त नहीं होता है। सने अपने बड़े एचटीएम निवेशों से पर्याप्त अप्राप्त हानियों का सामना किया। इन निवेशों को बाजार के हिसाब से चिन्हित नहीं किया जाता है, बल्कि इस तरह से मापा जाता है जब एक बैंक तरलता की कमी के कारण उन्हें बेचने का फैसला करता है। मूडीज ने कहा कि इसका मतलब यह है कि बढ़ती ब्याज दरों के बीच जब वे एचटीएम सिक्योरिटीज बेचते हैं तो बैंकों को नुकसान होता है।

अधिकांश एपीएसी बैंकों के लिए एचटीएम प्रतिभूतियों पर उचित मूल्य का नुकसान मामूली होगा, यहां तक कि असंभावित परिदृश्यों में भी जहां बैंकों को अपने एचटीएम पोर्टफोलियो के कुछ हिस्सों को बेचने की आवश्यकता होती है। अगर भारतीय बैंक अपने एचटीएम निवेश को बाजार में चिह्नित करते हैं, तो हम अनुमान लगा रहे हैं कि उन्हें बांड के बराबर मूल्य के 5-10 प्रतिशत या उनकी सीईटी1 पूंजी का 12-25 प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ेगा। भारतीय बैंकों को इस तरह के नुकसान का एहसास होने की संभावना नहीं है क्योंकि उनकी फंडिंग और लिक्विडिटी इतनी मजबूत है कि वे अपनी एचटीएम सिक्योरिटीज को होल्ड कर सकते हैं।

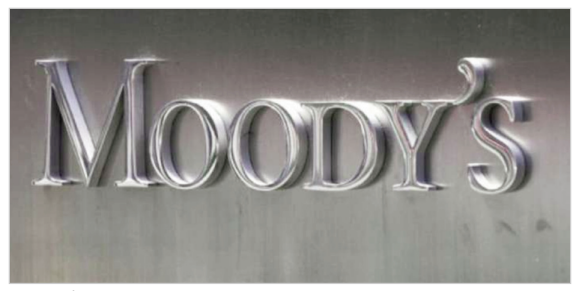

सिलिकॉन बैंक के बाद छह और अमेरिकी बैंक खतरे में

नई दिल्ली । अमेरिका में वित्तीय संकट गहराता जा रहा है। अमेरिकी सिलिकॉन बैंक डूबने के बाद अब 6 और बैंकों पर खतरा बढ़ा गया है। इसको देखते हुए मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने 6 और बैंकों को रिव्यू में डाल दिया है। जिन बैंको को मूडीज ने रिव्यू में रखा है, उनके नाम हैं, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक, जिओन्स बैनकॉपोरेशन, वेस्टर्न एलिएंस बैनकॉर्प, कॉमेरिका इंक, यूएमबी फाइनेंशियल कॉर्प और इंट्रस्ट फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन। इसके साथ ही क्रेडिट रेटिंग कंपनी ने बैंक जमाकर्ताओं को की बिना बीमा वाली जमा राशि पर निर्भरता और उनके संपत्ति पोर्टफोलियो में नुकसान का खतरा बताया है। मूडीज ने न्यूयॉर्क बेस्ड सिग्नेचर बैंक की डेट रेटिंग को डाउनग्रेड कर जंक टेरिटरी में डाल दिया है। गौरतलब है कि मूडीज ने इससे पहले सिग्नेचर बैंक को पहले सबोर्डिनेट डेट सी रेट दिया था। इसके अलावा मूडीज सिग्नेचर बैंक की फ्यूचर रेटिंग को वापस ले लिया है। मूडीज के इस रेटिंग से अमेरिका की बैंकिंग सेक्टर के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। सिग्नेचर बैंक को अमेरिकी रेग्युलेटर ने रविवार को बंद कर दिया था। अमेरिका के बैंकों के शेयर में बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है।

ऑप्टिमाइज्ड इलेक्ट्रोटेक ने निवेशकों से 20 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । डिफेंस टेक स्टार्टअप ऑप्टिमाइज्ड इलेक्ट्रोटेक ने कहा कि उसने निवेशकों से 20 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसे अपने विस्तार के लिए 'प्री-सीरीज़ बी'के दौर के इस निवेश में नेतृत्व राजीव ददलानी ग्रुप तथा इक्वेनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स और कई प्रतिष्ठित फेमिली आफिस और धनाढ्य वर्ग के व्यक्तिगत निवेशकों से यह निवेश प्राप्त हुआ। इस दौर में वेंचर कैपिटलिस्ट्स ने अपनी स्थिति और मजबूती की है। ड, स्टार्टअप ने कहा कि अत्याधुनिक इंटेलिजेंट लॉन्ग रेंज सर्विलांस सिस्टम, उत्पाद नवाचारों और एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में व्यवसाय विकास के लिए 7.3 बिलियन डॉलर से अधिक की बाजार क्षमता के साथ डिजाइन करने के लिए उपयोग किया जाएगा। क्विटी दौर का नेतृत्व राजीव ददलानी समूह ने किया था और इसमें इक्वेनिमिटी इन्वेस्टमेंट्स और प्रतिष्ठित पारिवारिक कार्यालयों और उच्च निवल मूल्य वाले निवेशकों की भागीदारी भी देखी गई थी। वेंचर कैटेलिस्ट्स ने इस दौर में और निवेश कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। पहले के निवेशकों में जीवीएफएल और ढोलकिया वेंचर्स शामिल हैं।

सुजुकी मोटरसाइकिल ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से किया समझौता

नई दिल्ली। दोपहिया वाहनों की विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने वाहनों और कलपुर्जों के लिए अपने डीलर साझेदारों को थोक वित्तपोषण मुहैया करवाने की खातिर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इस पहल से देशभर में कंपनी के डीलर साझेदारों को समर्थन मिलेगा और वे अपने कारोबार एवं परिचालनों का विस्तार कर पाएंगे। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि एक जिम्मेदार कंपनी होने के नाते हम अपने डीलर साझेदारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे कि वे अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा कर सकें। बैंक भारत में व्यवसायों को आवश्यक वित्तीय साधन उपलब्ध करवाकर कारोबारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईपीपीबी खुद को एक वैश्विक बैंक में बदलना चाहता है: सीईओ

नई दिल्ली । इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे वेंकटरामू ने कहा कि आईपीपीबी खुद को एक वैश्विक बैंक में बदलना चाहता है क्योंकि डाकघर शाखाओं का विशाल नेटवर्क वित्तीय समावेश हासिल करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि आईपीपीबी जब 2018 में शुरू हुई थी तब 80 प्रतिशत लेनदेन नकद में होता था। हालांकि, लोगों द्वारा प्रौद्योगिकी अपनाने के बाद अब 80 प्रतिशत लेनदेन डिजिटल जबकि सिर्फ 20 प्रतिशत लेनदेन नकद में होता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में वेंकटरामू ने कहा कि यदि हमें एक संपूर्ण बैंकिंग लाइसेंस मिलता है, विशेष रूप से वित्तीय समावेशन के लिए तो हमें बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। वह बैंक के सार्वभौमिक बैंक लाइसेंस के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से संपर्क करने से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्ज वित्तीय समावेश के साथ-साथ सामाजिक उत्थान का एक महत्वपूर्ण पहलू है। डाकघरों का विशाल नेटवर्क वित्तीय समावेश और कर्ज का विस्तार करने में मदद कर सकता है।

अडानी के शेयरों में फिर गिरावट, तीन में लगा लोअर सर्किट

- अडानी ग्रुप की दस कंपनियों में से 5 के शेयर लाल निशान पर खुले

नई दिल्ली । (एजेंसी)

शेयर बाजार में बढ़त के बावजूद अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को भी गिरावट देखने को मिल रही है। ग्रुप की दस कंपनियों में से 5 के शेयर लाल निशान पर खुले हैं। इन स्टॉक्स में गिरावट देखी जा रही है। पिछले कुछ दिनों से अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। कल भी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई थी। बाजार में गिरावट के साथ ही गौतम अडानी की नेटवर्थ की कम हुई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में दोबारा 22वें नंबर पर लुढ़क गए हैं। अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों के स्टॉक्स में बुधवार को भी लोअर सर्किट देखने को मिल रहा है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। पिछले दिनों ग्रुप की कंपनियों के स्टॉक्स में तेजी देखी गई थी। लेकिन अब फिर से शेयर लाल निशान पर पहुंच गए हैं। अडानी पॉवर में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर 5 फीसदी की गिरावट के साथ 194.15 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह शेयर सुबह लोअर सर्किट के साथ ही खुला था। अडानी टोटल गैस के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा हुआ है। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 899.85 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्टॉक भी लोअर सर्किट के साथ ही खुला है। अडानी ट्रांसमिशन के शेयर भी लोअर सर्किट के साथ ही खुले हैं। यह शेयर पांच फीसदी की गिरावट के साथ 857.10 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं।अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। यह शेयर 14 अंकों के उछाल के साथ 1754 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। यह शेयर 723.90 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के शेयर भी पांच अंकों के उछाल के साथ 659.95 रुपए के स्तर पर कोरोबार कर रहे हैं। अडानी विल्मर के शेयर भी बढ़त के साथ 415.70 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

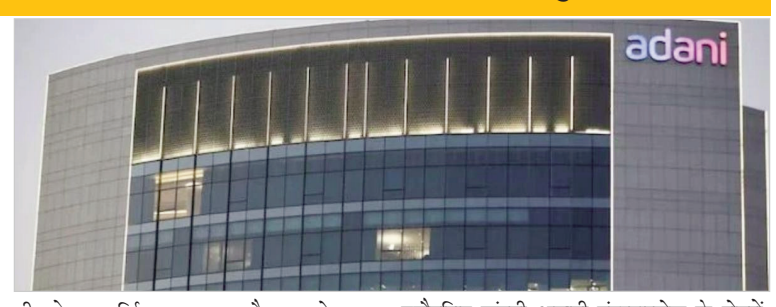

नोवो नोडिस्क इंसुलिन की कीमत 75 प्रतिशत कम करेगी

मुंबई । (एजेंसी)

यूएस स्थित दवा निर्माता कंपनी नोवो नॉर्डिस्क कंपनी ने डायबिटीज की दवाओं की कीमत में ज्यादा कमी की है। कंपनी ने यह फैसला इलाज में बढ़ते खर्च को देखते हुए उठाया है। गौरतलब है कि नोवो नॉर्डिस्क यूएस समेत दुनिया की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी है। कंपनी की ओर से बताया गया कि वह डायबिटीज की दवाओं में 75 प्रतिशत की कटौती करेगी। कंपनी ने बताया कि अगले साल जनवरी 2024 से नोवोलीन और लेवेमीर की कीमतों में 65 प्रतिशत तक की कटौती की जाएगी। इसके अलावा नोवो ने अपने गैर-ब्रांडेड डायबिटीज प्रोडक्ट की कीमतों में कटौती करने की योजना बनाई है ताकि नोवो के संबंधित ब्रांड की कम कीमत से मिलान किया जा सके। नोवो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्टीव एल्बर्स ने कहा कि हम आगे बढ़ने के लिए एक स्थाई समाधान खोज रहे हैं, जो मरीज की क्षमता के अनुसार और बाजार के मुताबिक और नीतिगत बदलावों को मैनेज करना है। उन्होंने कहा कि नोवो नॉर्डिस्क यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि डायबिटीज से पीड़ित मरीज हमारे दवाओं का खर्च उठा सकें, यह एक जिम्मेदारी है जिसे हम गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि बीमा वाले बहुत से लोग लागत में एक समान गिरावट नहीं देख सकते हैं क्योंकि वे निश्चित मासिक प्रतिपूर्ति का भुगतान करते हैं। फिर भी अबीमाकृत लोग और उच्च-कटौती योग्य स्वास्थ्य योजनाओं वाले लोग कीमतों में कटौती के परिणामस्वरूप कम लागत देख सकते हैं।

फेसबुक की मेटा ने 10,000 नौकरियां और घटाई

मुंबई । फेसबुक की मूल कंपनी मेटा 10,000 नौकरियां और कम कर रही है और व्यय में कटौती करते हुए वह 5,000 रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं करेगी। कंपनी ने बताया कि वह अपने नियोक्ता टीम का आकार घटाएगी और अपने प्रौद्योगिकी समूह में अप्रैल के अंत में और लोगों को नौकरी से निकालेगी। उसके बाद मई के अंत में व्यापारिक समूह में से लोगों को नौकरी से निकालेगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि यह मुश्किल रहेगा लेकिन और कोई रास्ता नहीं है। इसका मतलब हमारी सफलता का हिस्सा रहे प्रतिभाशाली और जुनूनी सहयोगियों को अलविदा कहना होगा। कंपनी ने मेटावर्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कई अरब डॉलर का निवेश किया है। इसने ऑनलाइन विज्ञापन बाजार में गिरावट और टिकटॉक जैसे प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धा से प्रभावित होकर चौथी तिमाही में कम लाभ और राजस्व दर्ज किया था। कंपनी ने नवंबर में 11,000 नौकरियां खत्म करने की घोषणा की थी।

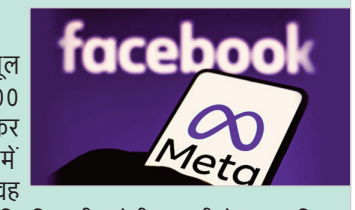

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट बिकवाली हावी रहने से आई है। कारोबार के दौरान बैंकिंग, रियल्टी शेयरों में बिकवाली हुई जबकि एफएमसीजी, ऑटो और आईटी शेयरों पर भी दबाव देखा गया। वहीं मेटल, पीएसई, फार्मा और उर्जा शेयरों में बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 344.29 अंक करीब 0.59 फीसदी टूटकर 57,555.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 71.15 अंक तकरीबन 0.42 नीचे आकर 16,972.15 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 8 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इस दौरान एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, टाइटन, लार्सन एंड टूब्रो और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे अधिक करीब 3 फीसदी लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 22 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, हिंदुस्तान युनिलिवर और एचडीएफसी बैंक के पांच शेयर गिरे हैं। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 2 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर ही बंद हुआ था। वहीं आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों से बाजार की तेज शुरुआत हुई थी पर कुछ समय बाद ही मुनाफावसूली शुरु होने से बाजार गिरने लगा। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट को 70 बेसिस अंक या 0.7 फीसदी बढ़ाकर 14.85 फीसदी कर दिया है। अभी यह 14.15 फीसदी है। बैंक ने बेस रेट को भी मौजूदा 9.40 फीसदी से 70 बीपीएस बढ़ाकर 10.10 फीसदी कर दिया है। श्रीराम फाइनेंस, श्रीराम हाफसिंग फाइनेंस में 15 फीसदी हिस्सा बेच सकती है। श्रीराम फाइनेंस करीब 1000 करोड़ रुपये में 15 फीसदी हिस्सा बेच सकती है। श्विक अमेरिका में फरवरी के महंगाई आंकड़ो में गिरावट आई है, जो कि सालाना आधार पर 6.4 फीसदी से घटकर 6 फीसदी रही। इससे अमेरिकी, यूरोपियन समेत एशियाई बाजार में मजबूती है। जापान का निक्केई और कोरिया के कोस्पी में एक फीसदी की तेजी दर्ज की जा रही है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक बैंकों ने 4.2 लाख करोड़ उधार लिए

नई दिल्ली । (एजेंसी)

तरलता की स्थिति में ढांचागत बदलाव होने से अधिशेष नकदी बहुत कम हो गई और उधारी तेजी से बढ़ने के कारण बैंक इस वित्त वर्ष में लघु अवधि के ऋण पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक बैंकों ने औसतन 4.2 लाख करोड़ रुपए उधार लिए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष में औसत उधारी केवल 2.6 लाख करोड़ रुपए थी। आरबीआई के आंकड़े हर पखवाड़े बदलते हैं और ताजा आंकड़ों में 24 फरवरी को बैंकों की बकाया उधारी दिखाई गई है। मार्च के दूसरे पखवाड़े में नकदी की स्थिति ज्यादा तंग होती दिख रही है, इसलिए वित्त वर्ष के बाकी दो पखवाड़ों में बैंक उधारी बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर मौद्रिक ढिलाई खत्म करने के आरबीआई के प्रयासों से अधिशेष नकदी में तेज कमी आई और सितंबर 2022 में पहली बार बैंक उधारी 5 लाख करोड़ रुपए के पार चली गई। अक्टूबर में भी उधारी उससे ऊपर ही रही। आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि बैंक उधारी में घरेलू उधारी के साथ बैंकिंग प्रणाली के बाहर की कुल उधारी भी शामिल है। इसमें भारतीय बैंकों द्वारा विदेश से लिया गया उधार भी शामिल है। आरबीआई से ली गई उधारी को इससे बाहर रखा गया है। विश्लेषकों ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए उधारी मद में दिए गए आंकड़े अल्पकालिक उधारी जैसे अंतरबैंक रीपो कार्रवाई और त्रिपक्षीय रेपो को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि उसमें अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड और इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी करना भी शामिल है मगर जमा पत्र इसमें शामिल नहीं हैं।

देश के पहली सेमीकंडक्टर यूनिट की घोषणा जल्द

- आगामी 3 से 4 साल में भारत एक बेहतरीन सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बनने को तैयार

मुंबई ।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत की पहली सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन यूनिट की घोषणा आने वाले सप्ताहों में हो सकती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) पार्टनरशिप समिट में वैष्णव ने संकेत दिए कि और ज्यादा घोषणाएं की जाएंगी और कहा कि यह केवल शुरुआत है। केंद्र सरकार विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और हिस्सेदारों के साथ सक्रियता से काम करने की कवायद कर रही है। आगामी 3 से 4 साल में भारत एक बेहतरीन सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बनने को तैयार है। सेमीकंडक्टर फैब एक विनिर्माण संयंत्र होता है, जिसमें रॉ सिलिकन वेफर्स को इंटीग्रेटेड सर्किट में बदला जाता है। भारत ऐसे समय में वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए अमेरिका, दक्षिण कोरिया और यूरोप के देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है, जब प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं इस उद्योग को भारी सब्सिडी दे रही हैं। आज यहां इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल फोन मेड इन इंडिया हैं, जबकि 10 साल पहले स्थिति उल्टी थी, जब 100 फोन में से 99 प्रतिशत आयातित होते थे। सेमीकंडक्टरों का घरेलू उत्पादन केंद्र सरकार का प्रमुख एजेंडा है, क्योंकि कोविड-19 के बाद इसकी आपूर्ति में व्यवधान आया है, जिसका असर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर पड़ा। पिछले सप्ताह अमेरिका और भारत ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने और नवोन्मेष साझेदारी के लिए समझौता किया था, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में चिप्स के महत्त्व का पता चलता है। वैष्णव ने कहा कि आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर केंद्र बनना एक बड़ा लक्ष्य है, लेकिन केंद्र सरकार इस दिशा में सफलता के लिए हर कदम उठाने को प्रतिबद्ध है। रेलवे और टेलीकॉम मंत्रालय का भी कार्यभार संभाल रहे वैष्णव ने कहा कि 4जी और 5जी सेवाओं की कनेक्टिविटी अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 45,000 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। रेलगाड़ियों में हाइपरलूप तकनीक के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा कि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन हकीकत में यह तकनीक अभी कम से कम 7-8 साल दूर है।

एफसीआई ई-नीलामी से 10.13 लाख टन गेहूं और बेचेगा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने गेहूं और आटा की कीमतों पर लगाम लगाने के सरकार के प्रयासों के तहत बुधवार को होने वाली ई-नीलामी के छठे दौर में थोक उपभोक्ताओं को 10.13 लाख टन गेहूं बेचने की योजना बनाई है। केंद्र ने कीमतों को नियंत्रित करने के लिए 50 लाख टन गेहूं खुले बाजार में बेचने की घोषणा की है। इसमें से 45 लाख टन आटा मिलों सहित थोक उपभोक्ताओं को बेचा जाना तय किया गया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने अब तक आयोजित पांच दौर की ई-नीलामी में थोक उपभोक्ताओं को 28.85 लाख टन गेहूं बेचा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक, एफसीआई 15 मार्च को होने वाली छठे दौर की ई-नीलामी में थोक उपभोक्ताओं को 10.13 लाख टन गेहूं बेचेगा। एफसीआई अपने 620 डिपो से गेहूं की बिक्री करेगा।

पिछले दौर में एफसीआई ने खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत आटा मिलों सहित थोक उपभोक्ताओं को 5.39 लाख टन गेहूं बेचा था। अधिकारी ने कहा कि खुले बाजार में गेहूं की बिक्री से देश में गेहूं और आटे की कीमतों में कमी लाने में मदद मिली है।

फीफा ने नया मैच कैलेंडर घोषित किया

जिनेवा । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने नया अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर घोषित कर दिया है। इस मैच कैलेंडर के अनुसार पुरुषों के 16-दिवसीय, चार-मैच विंडो 2026 से सितंबर के अंत और अक्टूबर की शुरूआत में, साथ ही मार्च, जून और नवंबर प्रत्येक में नौ-दिवसीय, दो-मैच विंडो शुरू की जाएगी। वहीं साल 2026 फीफा विश्व कप का फाइनल 19 जुलाई, 2026 को खेला जाएगा। किगाली, रवांडा में 73वीं फीफा कांग्रेस से पहले फीफा परिषद की एक बैठक हुई और इसमें विशेष रूप से पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं के भविष्य को लेकर कई अहम फैसले हुए। इसमें आम राय से 2026 फीफा विश्व कप के लिए प्रारूप में बदलाव के साथ ही तीन के 16 समूहों से चार के 12 समूहों में बदलने को भी सहमति दे दी गयी। इसमें शीर्ष दो और आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 32 के दौर में सबसे आगे थीं। वहीं दूसरी ओर महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर 2024-2025 में प्रति वर्ष छह अंतरराष्ट्रीय विंडो शामिल की गयी हैं। इसके अलावा 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों का महिला फुटबॉल टूर्नामेंट 25 जुलाई से 10 अगस्त तक खेला जाएगा।

महिला मुक्केबाजी विश्व चैंपियन

भारत की नजरें स्वदेश में मजबूत प्रदर्शन पर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत गुरुवार से यहां शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप में महिला मुक्केबाजी में अपने बढ़ते रुतबे के अनुरूप मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा तो उसे निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन से काफी उम्मीदे होंगी। बाएं घुटने की चोट से उबर रहीं छह बार की चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज एमसी मेरीकोम की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियन निकहत और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना 12 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। दोनों मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक के नजदीक आने के बीच नए वजन वर्गों में अपने पैर जमाने की कोशिश करेंगी। दुनिया की चौथे नंबर की मुक्केबाज निकहत ने अपना वजन वर्ज 52 किग्रा से घटाकर 50 किग्रा कर लिया है। उन्होंने पिछले साल तुर्की में 52 किग्रा वर्ग में ही खिताब जीता था। दूसरी ओर लवलीना ने 69 किग्रा वेल्टरवेट वर्ग से अपना वजन बढ़ाकर 75 किग्रा मिडिलवेट वर्ग में किया है क्योंकि 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए उनके दोनों पसंदीदा वजन वर्ग को हटा दिया गया है। निकहत के लिए 50 किग्रा वर्ग में यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। उन्होंने लाइट फ्लाई वेट वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीता लेकिन बर्मिंघम खेलों में मुकाबला उतना कड़ा नहीं था। हालांकि यहां ऐसा नहीं होगा। ओलंपिक भार वर्ग होने के कारण निकहत को को पोडियम पर जगह बनाने के लिए कुछ शीर्ष मुक्केबाजों का सामना करना पड़ेगा। विश्व चैंपियनशिप की दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने 75 किग्रा वर्ग में एशियाई चैंपियनशिप जीती थी लेकिन वह अब भी अपने नए भार वर्ग के अनुसार ढल रही हैं। लवलीना ने कहा, 'मेरे मुक्कों की ताकत में सुधार पर ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि मेरे विरोधी 69 किग्रा वर्ग के मुकाबले ज्यादा मजबूत होंगे।% नजरें राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन नीतू घंघास (48 किग्रा) और पिछले सत्र की कांस्य पदक विजेता मनीषा मोन (57 किग्रा) पर भी होंगी। साक्षी चौधरी (52 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), शशि चोपड़ा (63 किग्रा), सनामचा चानू (70 किग्रा) से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। यह तीसरी बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। लेकिन कई देशों के बहिष्कार, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के बीच संघर्ष और एक अदालती मामले ने टूर्नामेंट की चमक को कम कर दिया है। रूस के उमर क्रेमलेव की अध्यक्षता में आईबीए ने आईओसी की सिफारिशों के विपरीत रूस और बेलारूस के मुक्केबाजों को अपने स्वयं के ध्वज तले प्रतिस्पर्धा पेश करने की अनुमति दी थी जिसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन और आयरलैंड सहित 10 से अधिक देश टूर्नामेंट से हट गए। इसके अलावा दो विश्व निकायों के बीच चल रहे झगड़े ने बहुत भ्रम पैदा किया है क्योंकि आईओए ने कहा कि वह 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर का प्रभारी होगा न कि आईबीए जो 2019 से निलंबित है। लेकिन आईबीए ने घोषणा की कि वे क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आयोजित करेंगे और इस साल पुरुषों और महिलाओं की विश्व चैंपियनशिप मुख्य क्वालीफायर होगी।

क्रेमलेव ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि आईओसी क्वालीफाइंग स्पर्धाओं का प्रभारी बना रहेगा और दोनों निकायों को सहयोग और समन्वय करने की आवश्यकता है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट आईबीए प्रबंधित होने चाहिए।

हरमनप्रीत सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली कप्तान बनीं

मुम्बई । (एजेंसी)

कप्तान हरमनप्रीत कौर की मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स को हराने के साथ ही अपना लगातार पांचवां मैच जीता है। इसी के साथ मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में भी पहुंच गयीं। वह पहली बार खेले जा रहे महिला प्रीमियरलीग के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम है। हरमनप्रीत ने इस जीत के साथ ही महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई दिग्गज कप्तानों को पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ ही डब्ल्यूपीएल मैच में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में हरमनप्रीत शीर्ष पर पहुंच गई हैं। इस मामले में वह महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, गौतम गंभीर, हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, ऋषभ पंत और वीरेंद्र सहवाग से आगे निकल गयी हैं। इन सभी खिलाड़ियों के नाम अपनी-अपनी टीमों को लगातार चार मैचों में जीत दिलाने का रिकार्ड है।

हरमनप्रीत के साथ-साथ ही मुंबई इंडियंस ने भी एक नया रिकार्ड कायम किया है। मुंबई अभी अकेली टीम है जिसने महिला प्रीमियर लीग के अपने पहले पांच मैच जीते। आईपीएल में भी कोई टीम ऐसा कमाल नहीं कर पाई है।

इंडियन वेल्सः राडुकानू को हराकर स्वीयाटेक क्वार्टरफाइनल में

इंडियन वेल्स, (एजेंसी)

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वीयाटेक ने 2021 की यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू को चौथे राउंड में 6-3, 6-1 से हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उनका अंतिम आठ में रोमानिया की सोराना कर्स्टी से मुकाबला होगा।स्वीयाटेक ने यह मुकाबला एक घंटे 24 मिनट में जीता। स्वीयाटेक ने मैच में 22 विनर्स लगाए और 14 बेजां भूलें कीं। उन्होंने 10 ब्रेक अंकों में से चार को भुनाया। राडुकानू ने नौ विनर्स लगाए और 22 बेजां भूलें कीं। वह दो ब्रेक अंकों में से एक भी नहीं भुना सकीं। स्वीयाटेक का कर्स्टी से यह दूसरा मुकाबला होगा। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए राउंड 16 में कर्स्टी को 5-7, 6-3, 6-3 से हराया था। कर्स्टी ने नंबर पांच कैरोलिन गार्सिया को 6-4, 4-6, 7-5 से हराकर अपने पहले इंडियन वेल्स क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल भी 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिएः बांगड़

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों से सावधान रहना होगा

मुम्बई । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है कि जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम को 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। भारतीय टीम इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में डब्ल्यूटीसी फाइनल किसी भी हाल में जीतना चाहेगी। पिछले बार उसे विराट कोहली की कप्तानी में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद से ही उत्साहित है और अब उसका लक्ष्य डब्ल्यूटीसी का खिताब जीतना रहेगा। इसमें भारतीय टीम को मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 जून से इंग्लैंड में होना है। द ओवल में खेले जाने वाले इस खिताबी मुकाबले में तेज गेंदबाजों की भूमिका महत्वपूर्व होगी। बांगड़ ने कहा कि जून में इंग्लैंड में मौसम ठंडा है। ऐसे में टीम इंडिया को भी 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरना होगा। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी फाइनल में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव डाल सकती है क्योंकि तेज पिचों पर से खतरनाक साबित होते हैं। कंगारु तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपनी धरती पर भारत के खिलाफ 8 टेस्ट में 23 की औसत से 35 विकेट लिए थे। 27 रन देकर 6 विकेट उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

ऐसे में भारतीय टीम के सामने यही एकमात्र विकल्प है कि वह अपने बल्लेबाजों को इस प्रकार की पिचों पर खेलने का अभ्यास कराये।बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया में भारत के खिलाफ 11 टेस्ट में घर में 35 की औसत से 35 विकेट लिए हैं। 53 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड ने 11 टेस्ट में सबसे अधिक 42 विकेट भारतीय टीम के खिलाफ ही लिए हैं। 2 बार 5 विकेट भी लिया है.

इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा है। कमिंस ने 5 टेस्ट में 20 की औसत से 29 विकेट लिए हैं. 32 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं मिचेल स्टार्क ने 9 टेस्ट में 33 विकेट लिए हैं। 111 रन देकर 7 विकेट उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

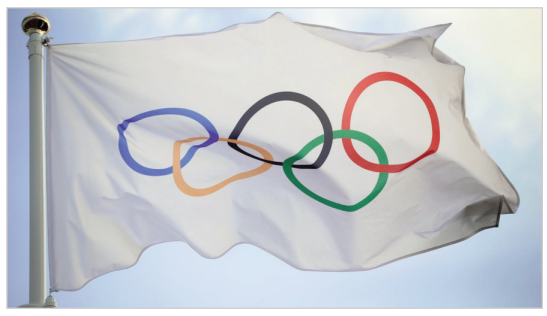

रूसी, बेलारूसी तटस्थ एथलीटों का विरोध नहीं करेंगे फ्रांसीसी : आईओसी

लुसाने । अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद भी साल 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में रूसी और बेलारूसी तटस्थ एथलीटों के प्रति लोगों का अच्छा रुख रहेगा। साथ ही कहा कि एक ऑनलाइन सर्वेक्षण से पता चलता है कि अधिकांश फ्रांसीसी लोग ओलंपिक में तटस्थ एथलीटों के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रूसी या बेलारूसी खिलाड़ियों के खिलाफ नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस सर्वेक्षण में 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 1,005 फ्रांसीसी लोगों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। आईओसी ने , मतदान में पाया गया कि 72 फीसदी फ्रांसीसी लोग रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट के साथ एथलीटों के भाग लेने के पक्ष में हैं। वहीं 44 फीसदी का मानना है कि उन्हें झंडे, गीत , रंगों के उपयोग के बिना एक तटस्थ बैनर के तहत खेलों में शामिल होना चाहिए। आईओसी के अनुसार, पिछले सप्ताह और महीनों में रूसी और बेलारूसी एथलीट तटस्थ खिलाड़ियों के रूप में कई अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे हैं। गौरतलब है कि पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट वाले खिलाड़ियों के भाग लेने को लेकर कोई चर्चा या फैसला नहीं हुआ है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद से ही कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में इन दोनो ही देशों के खिलाड़ियों का बहिष्कार हुआ था। ऐसे में ये खिलाड़ी अपने देश के झंडे की जगह पर तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर उतरने का प्रयास कर रहे हैं।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग के तीसरे मैच में इंडिया महाराजा दस विकेट से जीती

गंभीर ने लगाया तीसरा अर्धशतक

दोहा । (एजेंसी)

कतर में जारी पूर्व क्रिकेटरों की लीजेंड्स लीग में इंडिया महाराजा ने अपने तीसरे मैच में एशिया लायंस को दस विकेट से हरा दिया। पहले दो मैचों में एशिया लायंस और वर्ल्ड जायंटस के खिलाफ इंडिया महाराजा टीम को हार का सामना करना पड़ा था पर तीसरे मैच में इंडिया महाराजा ने कोई गलती नहीं की। इंडिया महाराजा को यह जीत कप्तान गौतम गंभीर और रॉबिन उथप्पा ने दिलायी। गंभीर ने नाबाद 61 और उथप्पा ने 88 रन बनाये। गंभीर ने पहले दो मैचों में भी अर्धशतक लगाया था। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए एशिया लायंस ने 157 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को इंडिया महाराजा ने बिना किसी नुकसान के आसानी से हासिल कर लिया।

इस मैच में इंडिया महाराजा के कप्तान गंभीर ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। एशिया लायंस की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज उपल थरंगा और तिलकरत्ने दिलशान के बीच हुई साझेदारी से टीम ने 157 रन

बनाये। उपल ने 69 रन बनाये। उनके आउट होने के बाद एक के बाद एक विकेट गिरते रहे पर दिलशान ने 32 और रज्जाक ने 27 रन बनाकर टीम को 157 रनों तक पहुंचाया। इंडिया महाराजा की ओर से हरभजन सिंह ने शानदार गेंदबाजी की और 12 रन देकर 1 विकेट लिया। सुरेश रैना ने दो ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इससे पहले दो मैचों में इंडिया महाराजा को हार का सामना करना पड़ा था हालांकि गंभीर ने दोनो ही मैचों में अर्धशतक लगाये थे पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये।

ईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे अक्षर : पोंटिंग

तकनीक में बदलाव करने से बेहतर बल्लेबाज बने

दुबई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि कुछ तकनीकी बल्लेबाजों से स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल एक बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं। अक्षर ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त हुई सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। पोंटिंग के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते समय किए गए हल्के तकनीकी बदलावों से ही अक्षर को बेहतर बल्लेबाज बनने में सहायता मिली। पोंटिंग को उम्मीद है कि अक्षर आगामी आईपीएल में भी दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगे। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में चार मैचों में तीन बार पचास रन से अधिक बनाने के साथ ही कुल मिलाकर 264 रन बनाए और वह विराट कोहली (297 रन) के बाद भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। पोंटिंग ने कहा, मैं अक्षर को लंबे समय से जानता हूं और जब मैं पहली बार मुंबई की टीम से जुड़ा था तो वह टीम में शामिल एक युवा खिलाड़ी था। उन्होंने कहा, मैं जानता था कि उसमें बल्लेबाजी कौशल है हालांक पिछले दो वर्षों को छोड़कर वह आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी पारी नहीं खेल पा रहा था। पोंटिंग ने कहा, हमने उसकी बल्लेबाजी में थोड़े बदलाव किए। हमने उसके कूल्हों और कंधों की स्थिति में हल्के बदलाव किए जिससे उसे दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों और शार्ट पिच गेंदों को खेलने में सहायता मिली। वहीं इससे पहले शार्ट पिच गेंदें उसकी कमजोरी हुआ करती थीं। अक्षर ने साल 2013 में मुंबई इंडियंस की तरफ से आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बेहतर प्रदर्शन किया है।

भारत विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए तैयार : आईबीए

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज एसोसिएशन (आईबीए) के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा है कि भारत ने आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के आयोजन के लिए अच्छी तैयारी की है। टूर्नामेंट के इस 13वें सत्र में खिताब के लिए 65 देशों के 300 से अधिक मुक्केबाज उतरेंगे। इसमें 12 भार वर्गों में 20 करोड़ रुपये का पुरस्कार रखा गया है। क्रेमलेव के अनुसार भारत में हुए खेल के विकास को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह महिला मुक्केबाजी के लिए एक तरह से राजधानी की तरह बन गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट भारत में सबसे ज्यादा तीसरी बार हो रहा है। वहीं इसके पिछले दो संस्करण साल 2006 और 2018 में भी भारत में ही हुए थे। क्रेमलेव ने कहा, भारत महिला मुक्केबाजों के लिए राजधानी की तरह बन गया है। साथ ही कहा कि आम तौर पर 250 से 260 मुक्केबाज इस तरह की चैंपियनशिप में भाग लेते हैं पर इस साल यह एक बड़ी चैंपियनशिप है। ऐसे में देखा जाये तो भारत मुक्केबाजी के लिए एक बेहतर स्थान बनकर उभरा है। यहां एक से बढ़कर एक मुक्केबाज उभर रहे हैं।

सायना नेहवाल आल इंग्लैंड ओपन से हटीं

नई दिल्ली। भारत की सायना नेहवाल आल इंग्लैंड ओपन 2023 से हट गयी हैं जिसका कारण अभी तक पता नहीं है। रिपोटरें के अनुसार सायना की जगह सिंगापुर की यियो जिया मिन ने ली है।इस बीच भारतीय स्टार लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल के पहले राउंड में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी चोउ तिएन चेन को हराया जबकि एच एस प्रणय ने विश्व के 24वें नंबर के चीनी ताइपे के वांग जू वेई को मंगलवार को हराया।प्रणय ने 49 मिनट में ओपनिंग मुकाबला 21-19, 22-20 से जीत लिया। उनका राउंड 16 में तीसरी सीड इंडोनेशिया के एंथनी सिनिसुका गिंटिंग से मुकाबला होगा।पिछले साल आल इंग्लैंड के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य ने चीनी ताइपे के तिएन चेन को 21-18, 21-19 से हराया।

हम त्रिकोणीय टूर्नामेंट जीतने की पूरी कोशिश करेंगे : इगोर स्टिमाक

नई दिल्ली, (एजेंसी)

भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम नौ महीने के बाद अपनी जमीन पर 22 मार्च से होने वाले त्रिकोणीय फुटबॉल टूर्नामेंट में एक्शन में लौटेगी और प्रमुख कोच इगोर स्टिमाक ने जोर देकर कहा है कि उनकी टीम इसे जीतने के लिए पुरजोर कोशिश करेगी।इम्फाल ब्लू टाइगर्स (फीफा रैंकिंग में 106 स्थान) का पहली बार स्वागत करेगी। टूर्नामेंट की दो अन्य टीमें किर्गिज गणराज्य (94) और म्यांमार (159) हैं। स्टिमाक ने टीम को एक और बार एशिया कप के लिए क्वालीफाई करवाया है लेकिन वह उससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कोलकाता में राष्ट्रीय कैम्प में एआईएफएफडॉटकॉम से कहा, यह पहला कदम है जो हम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। जब मैं टीम से जुड़ा, तो मुख्य लक्ष्य टीम को पुनर्गठित करना था, एक अलग शैली की फुटबॉल खेलना था और अपने खेल से भारतीयों का दिल जीतना था। मैं कहूंगा कि वे इस लक्ष्य में काफी हद तक सफल रहे हैं लेकिन हमारा काम दो वर्षों तक महामारी के कारण बाधित रहा, हमें कोई घरेलू मैच खेलने का मौका नहीं मिला। कोई मैत्री मैच नहीं थे और कोई क्वालीफायर्स नहीं थे। उन्होंने कहा, अगले सत्र का कैलेंडर मुश्किल है। हम सितम्बर, अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में अंतर्राष्ट्रीय विंडो का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय फुटबॉल के सभी अंशधारक इसमें शामिल होंगे और राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे। स्टीमक ने त्रिकोणीय टूर्नामेंट के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम मेजबान हैं और हम इसे जीतने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। हालांकि यह आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, अगले सत्र का कैलेंडर मुश्किल है। हम सितम्बर, अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में अंतर्राष्ट्रीय विंडो का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय फुटबॉल के सभी अंशधारक इसमें शामिल होंगे और राष्ट्रीय टीम की मदद करेंगे।

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलती हुई कोको गौफ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

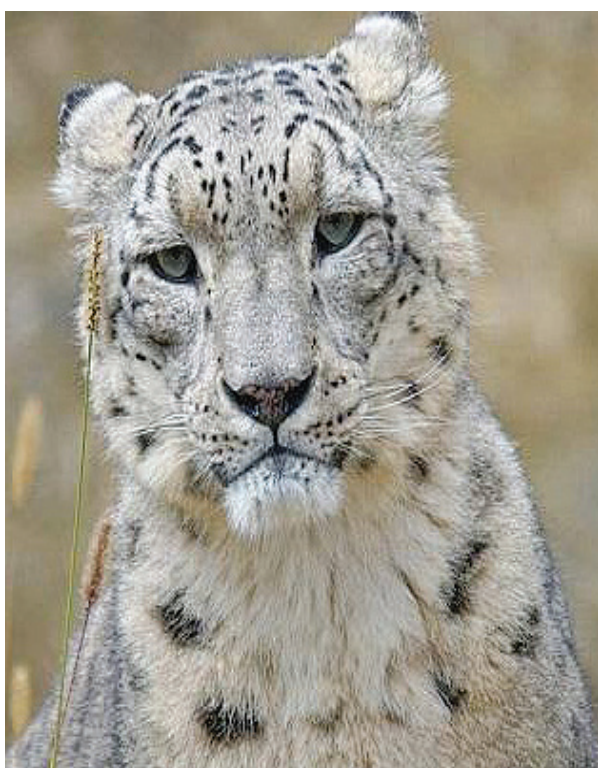

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

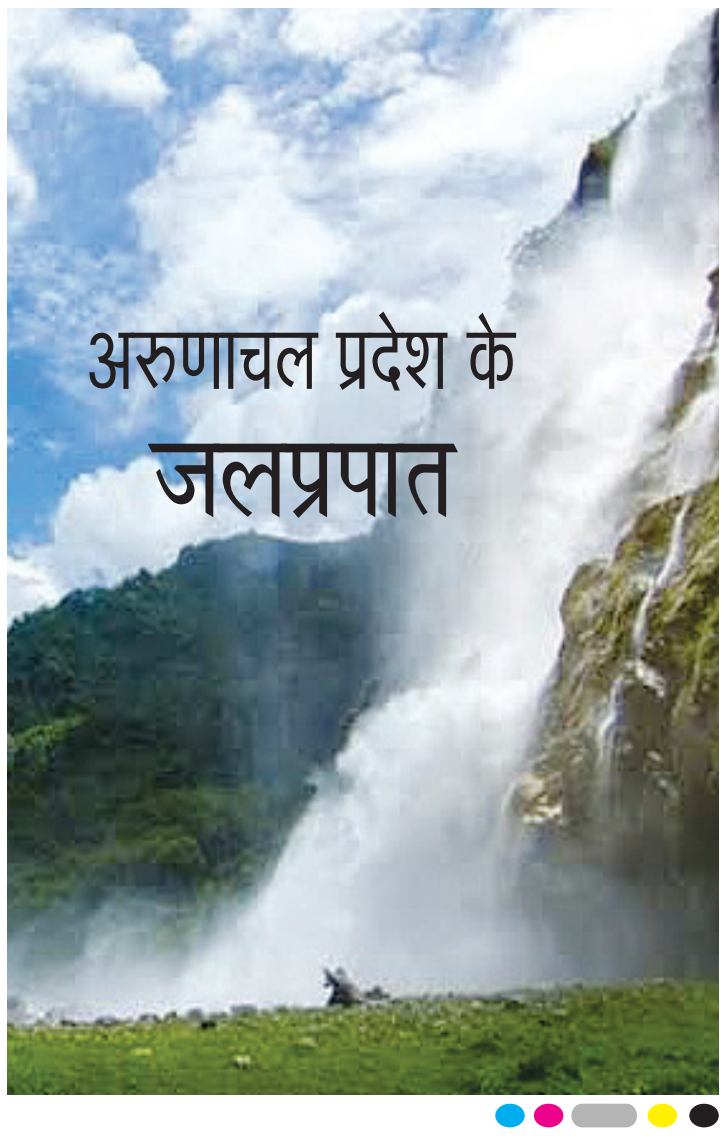

रूसी लड़ाकू विमान ने अमेरिकी ड्रोन को निशाना बनाया, यूएस आर्मी ने किया दावा

कीव। अमेरिकी सेना ने कहा कि रूस के एक लड़ाकू विमान ने काला सागर के ऊपर अमेरिकी निगरानी ड्रोन के प्रणोदक को निशाना बनाया, जिसके कारण अमेरिकी बलों को मानवरहित हवाई यान को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नीचे लाना पड़ा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को इस घटना के बारे में जानकारी दी। ''यूएस यूरोपियन कमांड'' ने कहा कि दो रूसी एसयू-27 लड़ाकू विमानों ने काला सागर के ऊपर अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में उड़ रहे एक अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को ''असुरक्षित एवं गैर पेशेवर तरीके से बाधित किया।'' उसने कहा कि रूसी लड़ाकू विमानों में से एक ने ''एमक्यू-9 के प्रणोदक को निशाना बनाया, जिससे अमेरिकी सेना को एमक्यू-9 को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नीचे लाना पड़ा।'' इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी ड्रोन रूसी सीमा के पास उड़ान भर रहा था और वह रूसी प्राधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित सीमा के रूप में घोषित किए गए क्षेत्र में घुस गया। उसने कहा कि रूसी सेना ने ड्रोन को रोकने के लिए लड़ाकू विमानों को तैनात किया और ड्रोन तेजी से मुड़ने के बाद पानी में गिर गया।

पालतू कुत्ते की वजह से मुसीबत में फंसे ब्रिटिश पीएम सुनक

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ब्रिटेन पुलिस का सामना होते रहता है। फिर पीएम सुनक अपने पालतू कुत्ते की वजह से पुलिस की मुसीबत में फंस गए हैं। दरअसल हाल ही में सुनक और उनके परिवार को सेंट्रल लंदन के हाइड पार्क में बिना लिश के अपने कुत्ते को घुमाते देखा गया। जहां पार्क में स्पष्ट रूप से संकेत है कि यहां जानवरों को टहलाने के लिए उन्हें चेन से बांधना जरूरी है।

इसके पहले सुनक पर लॉकडाउन के नियम तोड़ने और बिना सीट बेल्ट के कार ड्राइव करने को लेकर जुर्माना लगाया जा चुका है। वीडियो में सुनक के पालतू कुत्ते नोवा को बिना लिश के टहलते देखा जा सकता है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस को देखकर वह भौंकने भी लगता है। पुलिस ने पीएम सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति का जिक्र करते हुए कहा उस समय मौजूद एक अधिकारी ने बातकर नियमों को याद दिलाया। जिसके बाद कुत्ते को लिश से बांधा गया। हालांकि इस मामले में पीएम सुनक के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। डाउनिंग स्ट्रीट ने इस तरह इस सप्ताह की रिपोर्टों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। जहां दावा किया गया था कि सुनक ने अपने स्विमिंग पूल को गर्म रखने के लिए अपने इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई को अपग्रेड कराया है।

चीन के होतान शहर में भूकंप के झटके, तीव्रता 4.7 मापी गई

बीजिंग। चीन के होतान शहर में भूकंप के झटके महसूस हुए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई, जो होतान से 263 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में आया। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:30 बजे आया, जिसकी जमीन से गहराई 17 किमी थी। भूकंप का केंद्र क्रमश: 35.053 डिग्री उत्तरी और 81.395 डिग्री पूर्वी अक्षांश था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले अफगानिस्तान में इस माह अब तक भूकंप के 4 झटके महसूस किए जा चुके हैं। ये चारों ही भूकंप फैजाबाद में आए हैं। गत 9 मार्च की सुबह अफगानिस्तान में 07:06 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 रही, जिसका केंद्र फैजाबाद से 285 किलोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व में था। नेशनल सेंटर फॉर सीसमोलॉजी के अनुसार, 7 मार्च की रात 1:40 बजे काबुल में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो धरती के 136 किलोमीटर की गहराई में था। इससे पहले 2 मार्च को फैजाबाद क्षेत्र में ही दोपहर 2:35 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। तुर्किये और सीरिया में इस साल 6 फरवरी को आए विनाशकारी भूकंप के बाद से लोगों में डर है। भारत में भी समय समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं। तुर्किये और सीरिया में भूकंप के चलते 52,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

द वेब स्पेस टेलीस्कोप ने तारे के दुर्लभ और क्षणिक चरण कैद किया

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के द वेब स्पेस टेलीस्कोप' ने दम तोड़ने के कगार पर पहुंचे एक तारे के दुर्लभ और क्षणिक चरण को कैद किया है। नासा ने इसकी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में तारों के बीच धूल और गैस जैसी चीजें उड़ती दिख रही हैं। तारे का आधिकारिक नाम डब्ल्यूआर-124 है। यह सूर्य से लगभग 30 गुना विशाल था। परियोजना में शामिल यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की वैज्ञानिक मैकारेना गार्सिया मारिन ने कहा कि? हमने इससे पहले कभी ऐसा नहीं देखा। यह वास्तव में रोमांचक है। द वेब स्पेस टेलीस्कोप' 2021 के अंत में स्थापित किया गया था, जिसके बाद से यह उसका पहला प्रेक्षण है। वेब दर्शाता है कि स्टार डब्ल्यूआर 124 अपने शक्तिशाली इंफ्रारेड उपकरणों के साथ अभूतपूर्व नजर आता है। यह तारा 15,000 प्रकाश वर्ष दूर था। डब्ल्यूआर 124 जैसे सितारे ब्रह्मांड के प्रारंभिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि को समझने में खगोलविदों की मदद करने के लिए एक एनालॉग के रूप में भी काम करते हैं। इस तरह के मरने वाले सितारों ने सबसे पहले युवा ब्रह्मांड को भारी तत्वों को वर ?ीयता दी। इसतरह के तत्व जो अब पृथ्वी सहित वर्तमान युग में आम हैं।

कंप्यूटर मॉडल डेवलप करने पर भारतीय मूल के किशोर ने जीता अमेरिकी साइंस प्राइज, जीता 2 लाख 50 हजार डॉलर

-2 हजार हाई स्कूल के छात्रों ने साइंस टैलेंट सर्च में प्रतिस्पर्धा की

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के एक किशोर ने आरएनए मोलक्लूज की संरचना को लेकर कंप्यूटर मॉडल डेवलप करने के लिए 2 लाख 50 हजार डॉलर का प्रतिष्ठित अमेरिकी हाई स्कूलर्स साइंस प्राइज जीता है। यह मॉडल रोगों का शीघ्र निदान करने में सहायता कर सकता है। 17 वर्षीय नील मौदगल को मंगलवार को रीजेनरॉन साइंस टैलेंट प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। 17 वर्षीय अंबिका ग्रोवर 80 हजार डालर के पुरस्कार के साथ छठें स्थान पर रहीं और 18 वर्षीय सिद्धू पचीपाला 50 हजार डॉलर के पुरस्कार के साथ नौवें स्थान पर रहीं। लगभग 2 हजार हाई स्कूल के छात्रों ने साइंस टैलेंट सर्च में प्रतिस्पर्धा की, जिनमें से 40 को फाइनल राउंड के लिए चुना गया। रीजेनरॉन फार्मास्युटिकल्स द्वारा प्रायोजित प्रतियोगिता चलाने वाली सोसाइटी फॉर साइंस के अनुसार मौदगल का कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और बायोइनफॉर्मेटिक्स प्रोजेक्ट कैंसर, ऑटोइम्यून और अन्य बीमारियों के लिए आसानी से उपचार विकसित करने में मदद कर सकता है। ग्रोवर ने मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बहाल करके ब्लड क्लॉट्स को कम करने और स्ट्रोक पीड़ितों का इलाज करने के लिए एक इंजेक्टेबल माइक्रोबबल विकसित किया। पचीपाला ने एक मरीज के आत्महत्या के जोखिम का आकलन करने के लिए मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया। एक मरीज की जर्नल एंट्रीज का विश्लेषण करके किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और आत्महत्या के जोखिम के साथ सह-संबंध किया जा सकता है। पचीपाला, जिन्हें फाइनलिस्ट द्वारा सबसे अधिक अनुकरणीय के रूप में चुना गया था, इनको सीबोर्ग अवॉर्ड भी दिया गया। मूल रूप से वेस्टिंगहाउस द्वारा प्रायोजित साइंस टैलेंट सर्च प्रोग्राम के विजेता और अब वर्तमान प्रायोजक रीजेनरॉन से जुड़े हुए हैं, जिन्होंने गणित के लिए 11 नोबेल पुरस्कार और दो फील्ड मेडल जीते हैं। न्यूयॉर्क राज्य मुख्यालय वाले रेजेनरॉन के सह-संस्थापक और अध्यक्ष जॉर्ज यनकोपोलोस स्वयं 1976 में साइंस टैलेंट सर्च विजेता थे। उस अनुभव ने उन्हें बीमारियों के इलाज पर काम करने के लिए प्रेरित किया और कहा- मैं केवल यह आशा कर सकता हूं कि इस वर्ष के छात्र इसी तरह वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों की अगली पीढ़ी बनने के लिए प्रेरित होंगे, जो दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों के लिए समाधान विकसित करेंगे।

प्योंगयांग में उत्तर कोरियई सैना ने एक अज्ञात स्थल से एक मिसाइल दागी।

ऑस्ट्रिया की पुलिस ने विएना के गिरजाघरों पर आतंकवादी हमले की आशंका जताई

विएना। ऑस्ट्रिया की पुलिस ने देश के खुफिया विभाग को मिली सूचनाओं के आधार पर बुधवार को कहा कि विएना में स्थित गिरजाघरों पर ''इस्लामी चरमपंथ से प्रेरित हमले'' का खतरा है। विएना की पुलिस ने ट्वीट किया है कि उन्होंने गिरजाघरों सहित कई भवनों की सुरक्षा कड़ी कर दी है और राजधानी में अधिकारियों की संख्या बढ़ा दी है।

विएना पुलिस ने ट्वीट किया है, ''गिरजाघरों के खिलाफ सामान्य हमले का खतरा है।'' पुलिस ने लिखा है, ''अगर किसी तय जगह पर खतरे की पुष्टि होती है तो विएना पुलिस तत्काल सभी उपलब्ध माध्यमों से चेतावनी जारी करेगी।'' वहीं, वियना आर्कडायोसिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि कैथोलिक गिरजाघर मुख्य लक्ष्य नहीं जान पड़ते हैं। माइकल प्रूएलर ने कहा, ''हमें पुलिस द्वारा सामान्य खतरे के बारे में सूचित किया गया था। साथ ही हमें यह भी बताया गया था कि कैथोलिक के लिए कोई आसन्न खतरा नहीं है। इसलिए हमने गिरजाघरों को जनता के लिए खुला रखने का फैसला किया।

ताइवान को लेकर युद्ध हुआ तो चीन एक हफ्ते में अमेरिका को हरा देगा

-जानें कैसे खत्म हो जाएगा विस्फोटकों का जखीरा

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन में धरती फाड़ धमाके के बीच रूस ये धौंस जमाता आया है कि वो किसी भी वक्त एटम बम का ट्रिगर दबा सकता है। दुनिया को ये कहकर धमकाता रहा है कि रूस पर किसी भी तरह के हमले के हालात में इंतकाम का हथियार न्यूक्लियर बम ही होगा। जाहिर है एक तरफ रूस का एटमी जुनून है तो दूसरी तरफ चीन का वॉर प्लान सामने आया। दुनिया जानती है कि चीन से बड़ा चालबाज कोई नहीं है। विस्तारवादी सोच वाला ड्रैगन मौका देख कर रंग बदलने में माहिर है। यूक्रेन रूस के विध्वंसक युद्ध के बीच चीन की नजर ताइवान पर है। अक्सर ताइवान पर तनाव बढ़ता रहता है और ताइवान के साथ अमेरिका खड़ा रहता है। अमेरिका किसी भी हालत में ताइवान पर चीन का कब्जा नहीं होने देना चाहता है। लेकिन अब ताइवान के अलावा भी चीन और अमेरिका के बीच तनाव का दौरा जासूसी गुब्बारे के बाद से ही देखने को मिल रहा है।

वो दिन दूर नहीं नजर आ रहा है जब ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन में तनाव बढ़ने की स्थिति में हिंद प्रशांत क्षेत्र मैदानी जंग में बदल सकता है। मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन के मुकाबले अमेरिका के हमला करने की ताकत में अंतर बहुत ज्यादा बढ़ता जा रहा है। इसकी वजह है कि चीन की विस्फोटक और पप्रेट बनाने की क्षमता काफी ज्यादा हो गई है। वहीं अमेरिकी कारखाने इस मामले में पिछड़ते जा रहे हैं। चीन ने अब आरडीएक्स या एचएमएक्स से 40 फीसदी ज्यादा घातक विस्फोटक बना लिया है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार चीन ने बहुत ही मात्रा में सीएन20 विस्फोटक का निर्माण कर लिया है। ऐसे 'फोर्ब्स' की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार ताइवान पर अमेरिका का चीन से हुआ युद्ध तो विस्फोटकों का जखीरा 1 हफ्ते में खत?म हो जाएगा।

अमेरिकी पत्रिका फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार ये सीएल-20 का उन्नत संस्करण है जिसका निर्माण 1980 के दशक में किया था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने साल 2011 में सीएल-20 के समकक्ष का परीक्षण किया था। इसके बाद से लेकर अब तक चीन ने बहुत बड़े पैमाने पर इस विस्फोटक का निर्माण किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना के ज्यादातर विस्फोटक अमेरिका के केवल एक प्लांट में होल्स्टोन में बनाए जाते हैं। इसमें दूसरे विश्वयुद्ध के समय के मिक्सिंग सिस्टम और प्रोडक्शन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

लाहौर हाईकोर्ट से इमरान खान को राहत, अगले आदेश तक पुलिस कार्रवाई पर रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी) पूर्व प्रधानमंत्री इमरान आवास के बाहर पीटीआई समर्थकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच चल रही तनातनी के कुछ घंटे बाद लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) ने बुधवार को जमान पार्क में कल (गुरुवार) सुबह 10 बजे तक पुलिस कार्रवाई रोक दी। लाहौर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति तारिक सलीम शेख ने पीटीआई नेता फवाद चौधरी द्वारा जमान पार्क के बाहर ÷अत्याचार÷ को रोकने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए इन आदेशों को पारित किया। इससे पहले, अदालत ने पंजाब के महानिरीक्षक, मुख्य सचिव और इस्लामाबाद पुलिस (अभियान) प्रमुख को अपराह्न तीन बजे तक अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था।

बुधवार की सुबह पंजाब पुलिस और रेंजर्स द्वारा समर्थित इस्लामाबाद पुलिस ने तोशखाना मामले के संबंध में पूर्व प्रधान मंत्री को गिरफ्तार करने के प्रयासों को फिर से शुरू किया - जो मंगलवार से शुरू हुआ था। इमरान ने कई बार अभियोग को छोड़ दिया, जिसके कारण न्यायाधीश ने उनके लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। हालांकि, उन्हें पीटीआई कार्यकर्ताओं के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने उन पर पथराव किया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले के साथ जवाब दिया।

अमेरिका ने कहा- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा, सीनेट में प्रस्ताव पेश

-रणनीतिक भागीदार भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहे चीन : अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेट के एक द्विदलीय प्रस्ताव के अनुसार अमेरिका मैकमोहन रेखा को चीन और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में मान्यता देता है और अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है। सीनेटर जेफ मर्कले के साथ सीनेट में प्रस्ताव पेश करने वाले सीनेटर बिल हैगर्टी ने कहा कि ऐसे समय में जब चीन मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए लगातार गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है, अमेरिका के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह इस क्षेत्र में अपने रणनीतिक भागीदारों, खासकर भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहे। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यह द्विदलीय प्रस्ताव अरुणाचल प्रदेश को स्पष्ट रूप से भारत के अभिन्न हिस्से के रूप में मान्यता देने के लिए सीनेट के समर्थन को दर्शाता है, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को बदलने के लिए चीन की सैन्य आक्रामकता की निंदा करता है और मुक्त एवं खुले भारत-प्रशांत के समर्थन के लिए अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी और 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय संवाद समूह) को मजबूत करता है। भारत और चीन के बीच पूर्वी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई हिंसक सैन्य झड़प के बाद आए इस प्रस्ताव में अमेरिका द्वारा मैकमोहन रेखा को चीन और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के रूप में एक बार फिर मान्यता दी गई है। यह प्रस्ताव पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) के इस दावे को भी खारिज करता है कि अरुणाचल प्रदेश पीआरसी का क्षेत्र है। सीनेटर जेफ मर्कले ने कहा कि स्वतंत्रता और एक नियम-आधारित शासन का समर्थन करने वाले अमेरिकी मूल्यों को हमारे सभी कार्यों और संबंधों के केंद्र में होना चाहिए। खासकर, जब पीआरसी सरकार एक अलग सोच के साथ आगे बढ़ रही है।

नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त करने में अमेरिका का हाथ: पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले साल बाल्टिक सागर में नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त करने वाले विस्फोटों के पीछे यूक्रेन का हाथ होने की खबरों को खारिज कर फिर अमेरिका पर उंगली उठाई। पुतिन ने पिछले सप्ताह अज्ञात अमेरिकी तथा अन्य अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित खबरों पर यह बयान दिया। इन खबरों में दावा किया गया था कि इसके सबूत हैं कि यूक्रेन या कम से कम यूक्रेन के लोग विस्फोटों के लिए जिम्मेदार थे। जर्मन मीडिया ने दावा किया था कि जांचकर्ताओं का मानना है, कि पांच पुरुषों और एक महिला ने हमले को अंजाम देने के लिए पोलैंड में एक यूक्रेनी के स्वामित्व वाली कंपनी द्वारा किराए पर ली गई नौका का इस्तेमाल किया था।

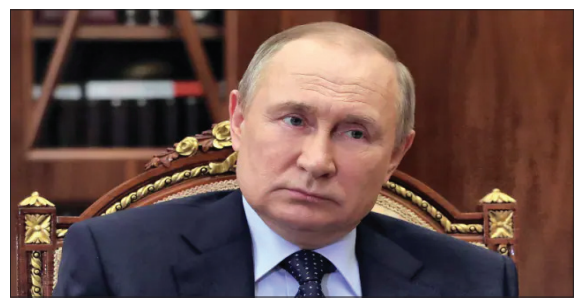

जर्मनी के संघीय अभियोजकों ने पुष्टि की कि जनवरी में एक नाव की तलाशी ली गई थी, लेकिन उसने खबर में प्रकाशित दावों की पुष्टि नहीं की थी। पुतिन ने इन खबरों को ''सरासर बकवास'' बताकर खारिज कर दिया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, ''ऐसा विस्फोट, इतना शक्तिशाली और इतना नुकसान पहुंचाने वाला... केवल विशेषज्ञों द्वारा ही इन्हें अंजाम दिया जा सकता है, जिसमें देश की पूरी क्षमताओं का इस्तेमाल किया जाए और जिन्हें अंजाम देने वालों के पास उपयुक्त प्रौद्योगिकियां हों। पुतिन ने कहा कि अमेरिका के पास विस्फोट करने का एक मकसद था। पुतिन ने आरोप लगाया कि अमेरिका जर्मनी को सस्ती रूसी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रोककर उस अधिक महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस प्रदान करना चाहता था।

क्रेमलिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि पश्चिमी देश असल बात छिपाने के लिए विस्फोट में यूक्रेन का हाथ होने की खबरें चला रहे हैं। नॉर्ड स्ट्रीम-1 और नॉर्ड स्ट्रीम-2 पाइपलाइनों पर सितंबर में हुए विस्फोटों ने उन्हें निष्क्रिय कर दिया था और इससे पाइपलाइनों से रिसाव भी होने लगा था। इन विस्फोटों की अभी तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अमेरिकी अधिकारियों ने शुरुआत में रूस के इसके लिए जिम्मेदार होने की बात कही थी। रूस ने अमेरिका और ब्रिटेन को दोषी ठहराया है।

राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करने रुस पहुंचे सीरियाई राष्ट्रपति बशर

बेरूत। सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद रूस पहुंचे, जहां वे राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं। रूस असद का मुख्य समर्थक है और सीरिया में उसका व्यापक प्रभाव है। सीरिया में पिछले 12 साल में विद्रोह के गृह युद्ध में तब्दील होने के बाद हुई घटनाओं में करीब पांच लाख लोग मारे गए हैं और लगभग आधी आबादी विस्थापित हुई है। बयान के अनुसार, राजनीतिक, व्यापार, आर्थिक तथा मानवीय क्षेत्रों में रूसी-सीरियाई सहयोग को और बढ़ाने के साथ ही सीरिया में और उसके आसपास की स्थिति के व्यापक समाधान की संभावनाओं'' पर चर्चा की जाएगी।

कोरोना काल के बाद पहली बार विदेशी पर्यटकों के लिए अपने दरवाजे खोल रहा चीन, वीजा प्रक्रिया आज से शुरू

बीजिंग (एजेंसी)। तीन साल के अंतराल के बाद चीन ने पर्यटन उद्देश्यों सहित भारतीय यात्रियों के लिए सभी प्रकार के वीजा को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। चीन की तरफ से मंगलवार को घोषणा करते हुए बताया गया कि चीनी दूतावास और भारत में महावाणिज्य दूतावास 15 मार्च से विभिन्न प्रकार के चीनी वीजा जारी करना फिर से शुरू करेंगे। इसके साथ, चीन ने 2020 की शुरुआत में कोरोना वायरस महामारी के बाद पहली बार अपनी सीमाओं को फिर से खोलने के कदम के रूप में पर्यटन वीजा, पोर्ट वीजा और कई वीजा-छूट नीतियों सहित विदेशियों के लिए सभी प्रकार के वीजा फिर से शुरू कर दिए हैं। हालांकि, आवक यात्रियों को अधिक विस्तृत आवश्यकताओं और प्रक्रियाओं के लिए अपने स्थानीय चीन दूतावासों या वाणिज्य दूतावासों से परामर्श करने की सलाह दी गई है।

जानकारों का कहना है कि इससे सबसे ज्यादा फायदा उन भारतीय स्टूडेंट्स को होगा, जो चीन की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे और कोविड़ लॉकडाउन के कारण उन्हें भारत लौटना पड़ा था। इस वजह से उनकी पढ़ाई बीच में ही लटक गई थी। चीन के इमिग्रेशन अधिकारियों के मुताविक, वीजा संबंधी नीतियां वुधवार से प्रभावी होंगी। कुछ जगहों के लिए वीजा फ्री एंट्री भी शुरू की जाएगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 28 मार्च 2020 से पहले जारी वीजा से भी देश में एंट्री की जा सकती है। चीन ने टूरिजम और इकॉनमी को बढ़ावा देने के प्रयासों के वीच यह कदम उठाया है। उसने कहा कि सीमा पार यात्रा को सुगम बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

पहले की तरह कुछ जगह वीज़ा फ्री एंट्री मिलेगी

क्रूज़ के जरिए शंघाई आने वालों, हॉन्ग कॉन्ग, मकाऊ और आसियान देशों के टूरिस्टों के लिए वीजा फ्री ट्रैवल पहले की तरह जारी रहेगा। इनमें दक्षिणी द्वीप हैनान भी है, जो रूसी टूरिस्टों के बीच काफी लोकप्रिय है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आगंतुकों के लिए वैक्सिनेशन का सर्टिफिकेट या कोविड निगेटिव रिपोर्ट की जरूरत होगी या नहीं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि संबंधित देशों से चीन आने वाले लोगों की जांच के लिए बेहतर उपाय किए गए हैं। चीन में आने वाले लोगों को विमान में बैठने से पहले कोविड जांच कराने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला........

एलारा को कौन नियत्रिंत कर रहा

नई दिल्ली ।(एजेंसी) ब्रिटेन में अपने बयान और मोदी सरकार द्वारा माफी की मांग को लेकर उठे हंगामे के बीच, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को एलारा नाम की एक विदेशी इकाई पर सवाल उठाकर अडानी समूह और मोदी सरकार पर एक नया हमला किया। राहुल गांधी ने अपनी विदेश यात्रा से दिल्ली लौटने के बाद आरोप लगाया कि अदानी ग्रुप और एलारा को मिसाइल और रडार अपग्रेड का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। उन्होंने कहा, भारत का मिसाइल और रडार अपग्रेड कॉन्ट्रैक्ट अदानी के स्वामित्व वाली एक कंपनी और एलारा नामक एक संदिग्ध विदेशी संस्था को दिया गया है। एलारा को कौन नियंत्रित कर रहा है? अज्ञात विदेशी संस्थाओं को रणनीतिक रक्षा उपकरणों का नियंत्रण देकर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता क्यों किया जा रहा है?

जहां राहुल गांधी विवादों में हैं, वहीं अदानी विवाद पर पूरा विपक्ष एकजुट है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस के नेतृत्व वाले समूह से दूर रह रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने ब्रिटेन के भाषण में राहुल गांधी की ओर से किसी भी तरह की माफी से इनकार किया है। खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने कुछ भी गलत नहीं कहा और केवल लोकतंत्र के बारे में बात की, जबकि प्रधानमंत्री ने विदेशों में कई जगहों पर बात की और देश का अपमान किया।

राहुल गांधी के बयान पर मचे बवाल के बीच कांग्रेस ने साफ कर दिया हैं कि पार्टी इस मुद्दे पर झुकने वाली नहीं है, वहां इस मुद्दे पर आक्रामक होगी और हिंडनबर्ग-अदानी विवाद में जेपीसी की मांग करेगी। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए, कांग्रेस प्रमुख और विपक्ष के नेता खड़गे ने ट्वीट किया था, मैं आपको चीन में दिए गए आपके बयान की याद दिलाना चाहता हूं। आपने कहा, पहले आपको भारतीय होने पर शर्म आती थी। अब आप देश का प्रतिनिधित्व करने में गर्व महसूस करते हैं क्या यह भारत और भारतीयों का अपमान नहीं था? अपने मंत्रियों से कहिए कि वे अपनी यादें ताजा करें।

महिलाओं के लिए कितनी सुरक्षित रही मुंबई, रेलवे स्टेशन पर तैनात महिला पुलिस से छेड़छाड़

मुंबई।(एजेंसी)

मुंबई महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित महानगर माना जाता रहा है लेकिन कुछ वर्षों के दौरान मुंबई में जिस प्रकार से महिलाओं पर अत्याचार के मामले उससे अब यही सवाल उठने लगे हैं कि महिलाओं के लिए कितनी सुरक्षित रही मुंबई ? जी हाँ, मुंबई में रात के एक बजे भी अकेली महिला लोकल ट्रेन में सफर करती है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला डब्बे में पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं. लेकिन महिला पुलिसकर्मी ही अगर छेड़छाड़ करने वालों का शिकार हो तो? दरअसल मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर एक ऐसी ही घटना सामने आई है. इस घटना में दो महिला पुलिसकर्मी रेलवे प्लेटफॉर्म पर बैठी हुई हैं और सामने से गुजरती लोकल से एक युवक उन्हें छेड़ रहा है. यह वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं देकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. इस मामले में बांद्रा रेलवे पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज हुई है. इस शिकायत के आधार पर महिला पुलिसकर्मियों को छेड़ने वाले युवकों को और इसका रील बनाने वाले युवकों को बांद्रा रेलवे पुलिस ढूंढ रही है. बता दें कि इन दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के दृश्य मौजूद हैं. वीडियो में दिखाई दे रहा है कि यहां से गुजर रही एक लोकल ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर कुछ युवकों द्वारा प्लेटफॉर्म पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों पर फब्तियां कसी जा रही हैं, उन्हें छेड़ा जा रहा है और अश्लील कमेंट किए जा रहे हैं. यह तेजी से वायरल हो रहे वीडियो को 'जीवनधारा संघ' नाम के एक एनजीओ ने ट्वीट किया है. इस ट्वीट में लिखे संदेश में कहा गया है, 'मुंबई पुलिस हमारी सेवा में साल के 365 दिन 24 घंटे रहती है. ऐसे में महिला पुलिस के साथ मस्तान कंपनी नाम से सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर कुछ लोग बदतमीजी कर रहे हैं. महिला का अपमान करने वाले और छेड़छाड़ करने वालों को सबक सिखाना चाहिए.' इस संदर्भ में बांद्रा रेलवे पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज की गई है. इन महिला पुलिसकर्मियों को छेड़ने वाले युवकों को बांद्रा रेलवे पुलिस तलाश रही है.

हमेशा ही चोरी और सीना जोरी में भरोसा रखता लालू परिवार: सुशील मोदी

नीतिश बाबू चाहकर भी नहीं बचा सकते

पटना । राज्यसभा सदस्य और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद भी जांच एजेंसियों के आगे न झुकने के बयान देते रहे, लेकिन चारा घोटाले के सभी पांच मामलों में दोषी हुए। सुशील मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के ठोस प्रमाण ने लालू प्रसाद को ऐसा झुकाया कि जेल गए और मुखिया का चुनाव लड़ने लायक भी नहीं रहे। आईआरसीटीसी घोटाले में जो लोग आरोपी हैं, उनके बिना झुके ही प्राथमिकी दर्ज हुई, आरोप पत्र दायर हुआ और गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्हें जमानत लेनी पड़ी। मोदी ने कहा कि लालू परिवार हमेशा ही चोरी और सीना जोरी में भरोसा रखता है, इसकारण ईडी के छापे और सीबीआई की पूछताछ के बाद भी ये लोग जांच के आगे न झुकने के बयान देकर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी के बिना झुके भी नौकरी के बदले जमीन मामले में ईडी ने 24 परिसरों पर छापा मार कर 600 करोड़ के अवैध लेन-देन के कागजात, डेढ़ किलो सोने के गहने, एक करोड़ रुपये नकद और विदेशी मुद्रा बरामद की। मोदी ने कहा कि जांच एजेंसियां भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत के आधार पर कार्रवाई करेंगी और दोषी को सजा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट्राचार के मामलों की जांच के दौरान न झुकने के राजनीतिक बयान देना कोई काम नहीं आएगा। वहीं, इससे पहले सोमवार को सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार चाहकर भी लालू यादव और उनके परिवार को जांच एजेंसियों से नहीं बचा सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों से बिहार में जांच करने की अनुमति वापस भी लेती है, तब भी लालू परिवार को कोई राहत नहीं मिलेगी। सुशील मोदी ने कहा कि बिहार सरकार की सहमति वापस लेने पर सीबीआई और ईडी केवल नए मुकदमे नहीं दायर कर सकेगी। हालांकि, इससे उन मामलों की जांच नहीं बंद हो सकती, जिनमें प्राथमिकी दायर हो चुकी हो।

जमानत मिलने के बाद लालू परिवार से मिलने पहुंची डिंपल यादव

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

समाजवादी पार्टी की नेता और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मिलने राजद नेता मीसा भारती के आवास पर पहुंचीं। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा को बुधवार को ही जमानत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े एक मामले में राजद नेता और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती को जमानत दे दी है। लालू सुबह करीब 10 बजे व्हीलचेयर पर अदालत पहुंचे। नौकरी के बदले जमीन मामले में लालू के पेश होते ही बड़ी संख्या में राजद समर्थक अदालत के बाहर जमा हो गए। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश गोयल ने कहा कि सीबीआई ने बिना गिरफ्तारी के आरोप पत्र दायर किया। अदालत ने, हालांकि, जमानत दे दी और प्रत्येक आरोपी को 50,000 रुपये के निजी जमानत बांड भरने का निर्देश दिया। सीबीआई ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। अदालत ने 27 फरवरी को उन्हें इस मामले में समन जारी किया था, जो लालू प्रसाद के परिवार को 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान दिए गए या बेचे गए भूमि पार्सल के बदले में रेलवे में की गई

कथित नियुक्तियों से संबंधित है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने आरोपपत्र में कहा है कि रेलवे में भर्ती के लिए भारतीय रेलवे द्वारा स्थापित मानकों और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए अनियमित नियुक्तियां की गई हैं। यह आरोप लगाया जाता है कि उम्मीदवारों ने लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों को सीधे या उनके करीबी रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों के माध्यम से बाजार दर के पांचवें हिस्से तक बहुत कम कीमतों पर जमीन दी।

ऑनलाइन दवा की बिक्री पर लग लग सकता है बैन, प्रतिबंध लगाने के पक्ष में मंत्री समूह

ौजूदा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट-1940 ो बदलने की तैयारी में सरकार

ीसीजीआई ने पहले ही 20 ऑनलाइन ंपनियों को भेजा था नोटिस

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्र सरकार ऑनलाइन दवा की दुकानों या ई-ार्मेसी को विनियमित करने की योजना बना रही है। ंभव है कि इन पर प्रतिबंध भी लगा दिया जाए। ालांकि, इस पर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया । इस संबंध में पेश किए गए औषधि, चिकित्सा पकरण और प्रसाधन सामग्री विधेयक-2023 को ाभी विभिन्न मंत्रालयों के पास मंथन के लिए भेजा या है। ये कवायद ऐसे समय में शुरू की गई है जब ाछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर स्वास्थ्य त्रालय ने 20 ऑनलाइन दवा बिक्री कंपनियों को ाटिस भेजा था। खबरों के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय कहा है कि ई-फार्मेसी को नियंत्रण में लाने के लिए ए विधेयक पर चर्चा की जा रही है। साथ ही मंत्री समूह ने इन पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में अपना मत रखा है। उनका मानना है कि इससे ग्राहक के निजी डाटा की गोपनीयता को खतरा है। इसके अलावा डॉक्टर की पर्ची के बिना दवाएं देने और मनमानी कीमतें वसूले जाने के प्रचलन को बढ़ावा मिल रहा है। उनका मानना है कि यह काफी खतरनाक है और इससे दवाओं के खुदरा बाजार को काफी नुकसान हो सकता है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने बजट सत्र के दौरान कहा था कि वह दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को बड़े स्तर पर विनियमित करने के लिए कानून में जरूरी संशोधन की तैयारी कर रही है। पिछले ही महीने नियमों के उल्लंघन को लेकर औषधि नियंत्रक डीसीजीआई ने टाटा वनएमजी, अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत 20 कंपनियों को नोटिस भेजा था। नोटिस में कहा गया था कि ये कंपनियां शेड्यूल एच, एच-1 और एक्स श्रेणी में सूचीबद्ध दवाओं को बगैर किसी अनुमति के अवैध तरीके से बेच रही हैं। ये कंपनियां रोगियों के डाटा को एकत्रित करती हैं।

इससे रोगियों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों में बढ़ोतरी होती है।

अर्पिता मुखर्जी ने कोर्ट से कहा, बड़े ऊंची खानदान से हैं, उनकी मर्यादा को नष्ट किया जा रहा

कोलकाता । (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले के करोड़ों रुपये अपने घर में रखने वाली अर्पिता मुखर्जी ने बड़ा बयान दिया है। अर्पिता ने कोर्ट से कहा कि वहां बड़े ऊंची खानदान से हैं, और उनकी मर्यादा को नष्ट किया जा रहा है। दरअसल 8 महीने पहले ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले में अर्पिता को गिरफ्तार किया था। तब से मामले की जांच चल रही है, अर्पिता भी जेल में हैं। अर्पिता ने जज से कहा कि वह निर्दोष है। उन्हें बिना किसी अपराध के 8 महीने से जेल में बंद किया गया है। इससे उनकी सामाजिक मर्यादा खत्म हो रही है। अभिनेत्री अर्पिता ने कहा, मैं एक बहुत ऊंची जाति की लड़की हूं। ऊंचे खानदान से हूं। आपको नहीं लगता कि किसी भी सभ्य महिला के साथ को गलत तरीके से जेल में रखा गया है। लगातार जेल में रहने से मेरा सामान नष्ट हो रहा है। अर्पिता मुखर्जी की बात करें, तब वहां ब्राह्मण परिवार से ताल्कुक रखती हैं। इसके साथ ही उनका पूरा परिवार बहुत ही संभ्रांत परिवार माना जाता है।

अर्पिता का मूल घर बेलघरिया है। पड़ोसियों का कहना है कि एक बार पार्थ की करीबी इस अभिनेत्री के घर में रामकृष्ण परमहंस अर्पिता के घर गए थे। मुखोपाध्याय परिवार को सभी एक बड़े परिवार के नाम से जानते हैं।अर्पिता ने कोर्ट में कहा, मेरे परिवार में मेरी मां की तबीयत सही ठीक नहीं है और मुझे उनकी देखभाल के लिए वहां रहने की जरूरत है। अर्पिता मुखर्जी करीब 8 महीने भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार होने के बाद जेल में बंद हैं। मंगलवार को बैंकशाल कोर्ट की वर्चुअल सुनवाई में राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 252 करोड़ में बिका एक ट्रिपलेक्स फ्लैट

- यह डील उद्योगपति नीरज बजाज और मैक्रोटेक डेवलपर्स के बीच में हुई

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में घर खरीदने का सपना हर आम और खास आदमी का होता है। मुंबई शहर में एक से बढ़कर एक मंहगी डील के बारे में आपने सुना होगा। जहां कई करोड़ खर्च करके लोगों ने आलीशान फ्लैट अपने नाम करवाये हैं। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है, जहां मुंबई शहर में 252 करोड़ रुपए में एक ट्रिपलेक्स फ्लैट बिका है। यह फ्लैट दक्षिण मुंबई के वालकेश्वर इलाके की एक निर्माणाधीन इमारत में है। यह फ्लैट 18 हजार स्क्वायर फुट एरिया का है। रियल इस्टेट के सूत्रों की माने तो यह डील उद्योगपति नीरज बजाज और मैक्रोटेक डेवलपर्स (लोढ़ा ग्रुप) के बीच में हुई है। आज की तारीख में भारत मे हुई यह सबसे मंहगी डील है। पिछले महीने ही मुंबई के वर्ली इलाके में 30 हजार स्क्वायर फुट एरिया का पेंटहाउस उद्योगपति बी.के. गोयंका ने खरीदा था। गोयंका वेलस्पन ग्रुप के चेयरमैन हैं। उन्होंने यह पेंटहाउस 240 करोड़ रुपए में खरीदा था। तब इसे देश की सबसे बड़ी डील कही जा रही थी। हालांकि, एक महीने बाद ही उससे भी बड़ी डील मायानगरी मुंबई में बजाज और लोढ़ा ग्रुप ने मिलकर की है। पेंटहाउस की फरवरी में हुई डील एक तैयार बिल्डिंग के लिए हुई थी। जबकि मार्च महीने की मौजूदा डील एक अंडर कंस्ट्रक्शन इमारत के लिए हुई है। जिसका काम अभी हाल में शुरू हुआ है। बजाज ग्रुप के डायरेक्टर ने लोढ़ा मालाबार टॉवर के टॉप थ्री फ्लोर बुक किए हैं। यह इमारत राजभवन के करीब है। इस फ्लैट की कीमत प्रति स्क्वायर फुट के हिसाब से 1.4 लाख रुपए है। यह पता चला है कि उद्योगपति बजाज ने इस फ्लैट के लिए टोकन मनी दे दी है जबकि बाकी पैसे बिल्डिंग को ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी) मिलने के बाद दिए जाएंगे। मालाबार हिल में बन रही इस 31 मंजिला इमारत का निर्माण कार्य अभी शुरू हुआ है। जहां जमीन की खुदाई शुरू है। यह इमारत साल 2026 में बनकर तैयार होगी। इंडस्ट्रियलिस्ट बजाज ने टॉवर के 29, 30 और 31वें फ्लोर को खरीदा है। इसके साथ ही उन्होंने 8 पार्किंग की जगह भी खरीदी है।नए टॉवर में बजाज परिवार को प्राइवेट रूफटॉप पर जाने की सुविधा होगी। जहां स्विमिंग पूल भी होगा। इंडेक्स टैप डॉट कॉम के मुताबिक यह डील सोमवार को रजिस्टर हुई है। जिसके लिए 15 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी जमा हुई है।

बैंकाक से चप्पल में छुपकर लाया 1.2 किलोग्राम सोना

नई दिल्ली । सीमा शुल्क अधिकारी ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो 69.40 लाख रुपये के सोने की तस्करी करने का प्रयास कर रहा था। सीमा शुल्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 12 मार्च को बैंकॉक से बेंगलुरू पहुंचे आरोपी को अधिकारियों ने रोक लिया। यात्रा के उद्देश्य के बारे में पूछने पर यात्री ने कहा कि वह चिकित्सा के उद्देश्य से यात्रा कर रहा था। हालांकि, यात्री वैध चिकित्सा दस्तावेज प्रदान करने में असमर्थ रहा, जिससे अधिकारियों को संदेह हुआ। इसके बाद संदिग्ध यात्री की गहन जांच की गई। शरीर की जांच और उसके बैग और चप्पलों की स्कैनिंग करने पर पता चला कि यात्रा के दौरान उसने जो चप्पल पहन रखी थी, उसमें सोने के कटे हुए टुकड़े थे। अधिकारी ने कहा, चप्पलें काटकर खोली गईं और कुल 1.2 किलोग्राम सोने के चार टुकड़े जब्त किए गए, जिसकी कीमत 69.40 लाख रुपये थी।

मुंबई और गोरखपुर के बीच एसी स्पेशल ट्रेन

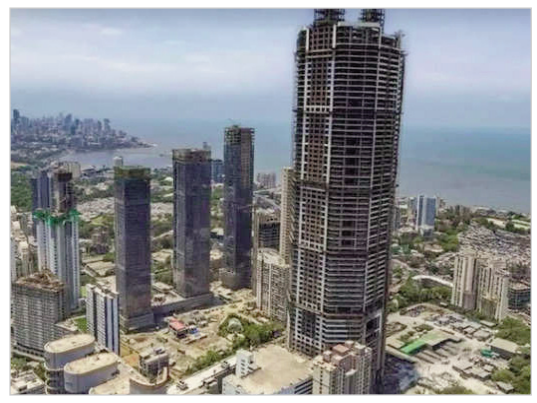

मुंबई। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, रेलवे लोकमान्य तिलक टर्मिनस और गोरखपुर के बीच एसी स्पेशल ट्रेन चलाएगा। विवरण इस प्रकार हैः-

05060 एसी स्पेशल दिनांक 19.03.2023 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.45 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 00.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 05059 एसी स्पेशल दिनांक 17.03.2023 को गोरखपुर से 20.55 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 07.25 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। संरचनाः 4 एसी-2 टीयर, 14 एसी-3 टीयर और दो जेनरेटर वैन। हाल्टः कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, चित्रकूट धाम, बांदा, रागौल, भरवा सुमेरपुर, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद। आरक्षणः विशेष ट्रेन सं. 05060 की बुकिंग विशेष शुल्क पर दिनांक 16.03.2023 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्रों एवं वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.आईआरसीटीसी.को.इन पर शुरू होगी। समय और हाल्ट की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इन्क्वारी इंडियनरेल.जीओवी.इन देखें या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करें।

टीएमसी की दो टूक किसी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी

कांग्रेस की विपक्षी एकता को जोरदार झटका

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

ापक्षी एकता को लेकर बुधवार को कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस ने कह दिया है कि वह कांग्रेसी नेताओं द्वारा बुलाई बैठक में शामिल नहीं होगी।दरअसल, संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। हंगामे को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस नेताओं की ओर से बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विपक्षी दलों के लगभग सभी नेता शामिल हो रहे हैं। लेकिन टीएमसी ने दूरी बना ली है। ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी कांग्रेस पर ही हमलावर है। इस बीच लोकसभा में टीएमसी नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने कह दिया है कि उनकी पार्टी किसी विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होगी। अपने बयान में बंदोपाध्याय ने कहा कि यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद अपना सत्र शुरू करने में सफल नहीं हो रही है। सत्ता पक्ष हो या मुख्य विपक्षी दल, दोनों एक-दूसरे के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी अन्य विरोध प्रदर्शन में भाग नहीं ले रहे हैं। टीएमसी संसद में अपने ही मुद्दों और एजेंडे पर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में, कांग्रेस पूरी तरह से भाजपा और सीपीएम के साथ मिलीभगत है, इसकारण हम कांग्रेस नेताओं द्वारा बुलाई गई बैठकों में हाथ नहीं मिला सकते हैं।

बंधोपाध्याय का यह बयान विपक्षी एकता को बड़ा झटका है। हाल में ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी दलों से भाजपा को हराने के लिए एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने की अपील की थी। उन्होंने समान विचारधारा वाले दलों को आमंत्रित भी किया था। हालांकि, बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी के बीच जबरदस्त वार-पलटवार का दौर भी देखने को मिला। इस बीच ममता बनर्जी ने पहले ही ऐलान किया है, कि उनकी पार्टी 2024 का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी।

कांशीराम व उनके अनुयायियों का किया गया अपमान, चुनाव में विरोधियों को देना होगा करारा जवाब: मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी कार्यालय में जन्मदिन पर कांशीराम को पुष्पांजलि अर्पित की

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम के जन्मदिन पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और चुनावी सफलता और सत्ता की मास्टर चाबी हासिल कर विरोधियों को करारा जवाब देने का आह्वान किया। बसपा सुप्रीमो ने सुबह पार्टी कार्यालय में कांशीराम को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद आरोप लगाया कि कांशीराम और उनके अनुयायियों का अपमान किया गया।

जानकारी के अनुसार मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि वंचित और शोषित 'बहुजन समाज को राजनीतिक ताकत बनाकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले कांशीराम जी को आज जन्मदिन पर अपार श्रद्धा-सुमन। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांशीराम ने बसपा के इसी आंदोलन को जमीनी मजबूती दी तथा इसकी बदौलत उत्तर प्रदेश में चार बार सर्वजन हिताय एवं सर्वजन सुखाय की सरकार बनी, जिसके तहत करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जो देश में 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के अहम मामले में बेहतरीन एवं बेमिसाल है।

उल्लेखनीय हे कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि लेकिन डॉ. भीमराव अंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने वाले बहुजन नायक कांशीराम जी एवं उनके समाज/अनुयाइयों की उपेक्षा, तिरस्कार तथा षडयंत्र का क्रम विरोधियों द्वारा आज भी लगातार जारी है, जिसका उचित जवाब चुनावी सफलता व सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके देते रहना जरूरी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एच3एन2 फ्लू से वडोदरा में 58 वर्षीय महिला की मौत, गुजरात में पहली घटना, देश में तीसरी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,कोरोना के बाद अब गुजरात में एच3एन2 फ्लू वायरस का खौफ बढ़ गया है। वडोदरा में एच3एन2 फ्लू से 58 साल की एक महिला की मौत हो गई है। एच३एन२ फ्लू वायरस से गुजरात में पहली मौत है, जबकि देश में तीसरी। वडोदरा की 58 वर्षीय महिला के इस नए वायरस की चपेट में आने के बाद शहर के सयाजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। महिला हाइपर टेंशन की मरीज थी। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद विशेषज्ञों ने लोगों से मास्क लगाने, समयांतर हाथ धोने, भीड़भाड़ से बचने और ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की सलाह दी है। पिछले कुछ समय से देशभर में इस फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एच3एन2 फ्लू से लोगों में दहशत है और हर कोई इसके लक्षण, कारण, निदान और इलाज के बारे में जानना चाहता है। एच3एन2 फ्लू के लक्षणों में खांसी, नाक बहना या बंद होना, गला खराब होना, सिर दर्द, शारीरिक दर्द, बुखार, ठंड लगना, थकान, दस्त और उलटी शामिल है। यह फ्लू इंसानों में फैल सकता है। हांलाकि अभी तक इसके कम्यूनिटी स्प्रेड के मामले सामने नहीं आए हैं। यह संक्रामक वायरस संक्रमित व्यक्ति के खांसने और छींकने के साथ निकली छोटी-छोटी बूंदों के वजह से फैल सकता है। यहां तक कि संक्रमित व्यक्ति के बात करने के दौरान निकलने वाली ड्रॉप्लेट्स से भी यह फ्लू फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति अगर अपने मुंह, नाक को छूता है तो आप उसके संपर्क में आते हैं तो आप भी इस फ्लू से संक्रमित हो सकते हैं। खासकर गर्भवती महिलाओं, बच्चे और बुजुर्गों के एच३एन२ से संक्रमित होने का खतरा अधिक है। आईसीएमआर के मुताबिक 15 दिसंबर से बुखार के सभी मामलों में आधे मामले एच3एन2 वायरस पाया गया है। अस्पताल में भर्ती आधी मरीज एच3एन2 की चपेट में है। अस्पताल में उपचाराधीन कुल मरीजों में 92 प्रतिशत को बुखार, 86 प्रतिशत को खांसी और 27 प्रतिशत को सांस लेने में शिकायत थी। एच३एन२ पीड़ित 10 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन और 7 प्रतिशत को आईसीयू में भर्ती करना पड़ता है।

कस्टोडियल डेथ के मामले में गुजरात राज्य में अव्वल, पांच साल में 80 आरोपियों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

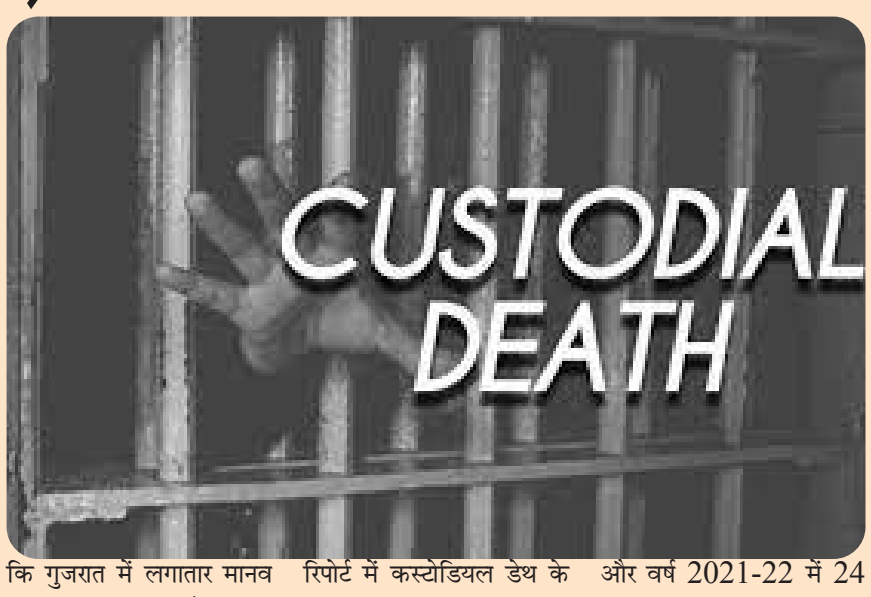

पुलिस कस्टडी में आरोपियों की मौत के मामले में गुजरात देशभर में पहले क्रम पर है। पिछले 5 साल के भीतर गुजरात में 80 आरोपियों की कस्टोडियल डेथ हुई है। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता हिरेन बैंकर ने कहा कि गांधी और सरदार के गुजरात में लगातार बढ़ रही कस्टोडियल डेथ की घटनाएं गुजरात के लिए चिंता का विषय है। सभ्य समाज कानून के शासन से चलता है। लेकिन पिछले पांच साल में पुलिस कस्टडी में 80 आरोपियों की मौत हो गई। पुलिस टॉर्चर, समय पर मेडिकल ट्रीटमेन्ट ना मिलने इत्यादि कारणों की वजह से आरोपियों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात में लगातार मानव अधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है, जो चिंता का विषय है। वर्ष 2022 में ही गुजरात में सबसे अधिक 24 मौतें पुलिस कस्टडी में हुई है। नेशनल ह्युमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) की रिपोर्ट में कस्टोडियल डेथ के आंकड़ों ने भाजपा सरकार के गृह विभाग की सब सुरक्षित के दावों की पोल खोलकर रख दी है। हिरेन बैंकर ने बताया कि गुजरात में वर्ष 2017-18 में 14, वर्ष 2018-19 में 13, वर्ष 2019-20 में 12 और वर्ष 2021-22 में 24 कस्टोडियल डेथ की घटनाएं सामने आई हैं। कोरोनाकाल के वर्ष 2019-20 में कस्टोडियल डेथ की घटनाओं की तुलना में वर्ष 2021-22 में 24 घटनाओं के साथ कस्टोडियल डेथ के मामलों में दोगुनी वृद्धि हुई है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस 'मे आई हेल्प यू?' के सूचना पटल लगाती है जो पढ़ने में अच्छे लगते हैं। वास्तव में पुलिस थाने में 'मे आई हेल्प यू?' का अहसास होना जरूरी है। कस्टोडियल डेथ के दर्ज कई मामलों में पुलिस द्वारा मारपीट, टॉर्चर, कई बीमारी समेत अन्य कई कारणों से आरोपियों की मौत हुई है। हिरेन बैंकर ने बताया कि पांच साल के भीतर गुजरात में सबसे अधिक 80 कस्टोडियल डेथ हुई है। वहीं महाराष्ट्र में पांच साल में 76, उत्तर प्रदेश में 41, तमिलनाडु में 40 और बिहार में 38 कस्टोडियल डेथ हुई है7 ये आंकड़े बताते हैं कि कस्टोडियल डेथ के मामले में गुजरात देशभर में सबसे आगे है।

मोहनथाल प्रसाद शुरूहोने पर अंबाजी पहुंचे दांता स्टेट के महाराजी, पूजा-अर्चना की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा, 51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद पुन: शुरू किए जाने की मांग पूरी होने पर दांता स्टेट के महाराजा आज अंबाजी मंदिर पहुंचे, जहां भक्तिभाव से देवी माता की पूजा-अर्चना की और शिखर ध्वज भी चढ़ाया। बता दें कि अंबाजी मंदिर प्रबंधन ने 3 मार्च 2023 से कई दशकों से चली आ रही परंपरा को तोड़ते हुए मोहनथाल का प्रसाद बंद कर दिया था। मोहनथाल के स्थान चिक्की का प्रसाद वितरण करने का मंदिर प्रबंधन ने निर्णय किया था। मंदिर प्रबंधन के इस फैसले से अंबाजी आने वाले श्रद्धालुओं समेत हिन्दू संगठनों में आक्रोश भड़क उठा था। हिन्दू संगठनों समेत कांग्रेस ने भी मंदिर प्रबंधन के निर्णय का विरोध करते हुए मोहनथाल का प्रसाद शुरू करने की मांग की थी। दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ट्वीट कर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की थी। साथ ही संकल्प किया था कि जब तक अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद वितरण पुन: शुरू नहीं किया जाता तब तक मंदिर नहीं जाएंगे। मंगलवार को गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में मंदिर प्रबंधन के साथ हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद पुन: शुरू करने की घोषणा की गई। इस घोषणा से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। मोहनथाल की मांग पूरी होने पर दांता स्टेट के महाराजा परमवीरसिंह हाथ में ध्वज और स्थानीय भक्तों के साथ 51 शक्तिपीठ सर्कल से अंबाजी शक्तिद्वार तक पदयात्रा कर पहुंचे। जिसके बाद अंबाजी मंदिर में पूजा अर्चना की और शिखर ध्वज चढ़ाई।

पुलिस कस्टडी में जुए के आरोपी की मौत, परिवार ने की निष्पक्ष जांच की मांग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,शहर के कुवाडवा पुलिस थाने में जुए के केस में पकड़े गए आरोपी की मौत हो गई। बीती रात इन्वेस्टिगेशन रूम में आरोपी के बेहोश होने के बाद उसे राजकोट के सिविल अस्पताल ले जाया गया था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी की मौत के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के मुताबिक कुवाडवा पुलिस ने जुए के केस में जेन्ती अगेचणिया नामक शख्स को गिरफ्तार किया था। कुवाडवा पुलिस थाने में देर रात 2.15 बजे जेन्ती के बेहोश जाने पर उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया था7 जहां डॉक्टर ने जेन्ती को मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर जेन्ती के भाई विनु अगेचणिया ने बताया कि बीती रात 10 बजे कुवाडवा पुलिस मनहरनगर 1 स्थित हमारे घर से जेन्ती को ले गई थी। तड़के 4 बजे के करीब पुलिस का फोन आया कि जेन्ती की तबियत खराब है, जल्द सिविल अस्पताल पहुंचो। जब हम सिविल अस्पताल पहुंचे तो जेन्ती के शरीर पर चोट के निशान देखे। विनु अगेचणिया ने कहा कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की जाती तब तक हम जेन्ती का शव स्वीकार नहीं करेंगे। घटना को लेकर राजकोट ईस्ट जोन के एसीपी मनोज शर्मा ने कहा कि मृतक के परिजन की मांग के मुताबिक निष्पक्ष जांच की जाएगी। मृतदेह का फोरेंसिक पोस्टमार्टम किया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

सूरत नगर निगम डोर टू डोर कूड़ा टेंपो चालक बना दुर्घटना का कारण,

रिक्शा व दाना चना विक्रेता को टक्कर मार भागे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में आए दिन हादसों की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसके बाद एक और हादसा सामने आया है। उधना में रेलवे स्टेशन के पास फाटक के पास कचरा गाड़ी चालक ने अनाज की लॉरी समेत रिक्शा चालक को कुचल दिया. पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। सौभाग्य से इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने कचरा ट्रक चालक को पकड़कर उधना पुलिस को सौंप दिया।

एसएमसी के कचरा ट्रक चालक ने किया हादसा सूरत शहर में हादसों की घटनाएं सामने आई हैं। पूर्व में दुर्घटनाएं प्रकाश में आई हैं, कभी वाहनों के लापरवाह ड्राइविंग के कारण तो कभी चालक के स्टेयरिंग पर से नियंत्रण खो देने के कारण। फिर सूरत के उधना इलाके में हादसे की एक और घटना सामने आई है। उधना रेलवे स्टेशन के पास नगर पालिका की कचरा ले जा रही कार के चालक ने हादसा कर दिया. कचरा गाड़ी चालक ने पूरी रफ्तार में गाड़ी चलाकर उधना रेलवे स्टेशन के बाहर खड़े रिक्शा और अनाज की लॉरी को टक्कर मार दी.

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना उधना रेलवे स्टेशन के बाहर घर-घर कचरा ले जा रही नगर निगम की गाड़ी के चालक द्वारा की गई दुर्घटना पास के एक सीसीटीवी में कैद हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जहां कार का चालक रेलवे स्टेशन

के गेट के ठीक सामने पूरी रफ्तार में कूड़ा गाड़ी चला रहा था और रिक्शा व लॉरी को टक्कर मार कर पूरी रफ्तार से निकल गया.

लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। कचरा ट्रक चलाकर भाग रहे चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। लोगों ने चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद चालक को उधना पुलिस को सौंप दिया गया। जहां एसएमसी के घर-घर कूड़ा टेंपो चलाने वाले रामू उर्फ अंग्रेज बाबूलाल भील की पहचान है। पुलिस ने रामू भील के खिलाफ दुर्घटना का मामला दर्ज कर आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया है।

गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ । लेकिन अगर लोग मौजूद होते तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। क्योंकि चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और अगर वहां लोग खड़े होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इतना ही नहीं इस घटना में लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. चालक के नशे में होने की आशंका है। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गैरकानून रूप से कफ सिरप बेचने वाला युवक गिरफ्तार,लाखों की दवाईयां जब्त

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने शहर के अमृत पार्क में रेड कर एक युवक को गैरकानूनी रूप से कफ सिरप बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। एसओजी ने युवक के पास से लाखों रूपए कीमत की दवाईयां भी जब्त की हैं। शराब, ड्रग्स के साथ ही अब नशीली दवाईयों का सेवन भी बढ़ने लगा है। खासकर उन दवाईयों का जिनमें नशे का प्रमाण काफी अधिक है। ऐसी दवाईयों की गैरकानूनी बिक्री पर एसओजी शिकंजा कसते हुए एक युवक को लाखों रूपए कीमत की दवाईयों के साथ गिरफ्तार कर लिया। दरअसल राजकोट एसओजी को सूचना मिली थी कि शहर के रैया रोड स्थित अमृत पार्क में रहनेवाले मितेशपुरी गोसाई नामक शख्स गैरकानूनी रूप से कफ सिरप बेचता है।

सूचना के आधार पर एसओजी ने मितेशपुरी के यहां छापा मारकर रु 23 लाख कीमत की 13338 कफ सिरप की बोतलों समेत उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मितेशपुरी ने बताया कि वह कफ सिरप समीर गोस्वामी नामक शख्स से लाया था।

गांधीनगर और अहमदाबाद के कई इलाकों में गरज के साथ बारीश, 5 दिन रहेगा बरसाती माहौल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात से मौसम बदला हुआ है, आसमान में बादल छाए हुए हैं और इस दौरान अहमदाबाद और गांधीनगर समेत कई जगह बेमौसमी बारिश की खबर है। जामनगर, द्वारका और कच्छ में सुबह के दौरान रिमजिम बारिश हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले पांच दिन राज्य में बरसाती माहौल की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के मुताबिक सर्क्युलेशन सक्रिय होने से राज्य में अगले 5 दिन तक बरसाती माहौल रहेगा। बुधवार की सुबह से अहमदाबाद समेत कई शहरों में आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम का मिजाज बदलने से गर्मी का प्रमाण घटा है। मौसम विभाग ने साबरकांठा, बनासकांठा, राजकोट, सुरेन्द्रनगर में ओले के साथ सामान्य बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 16, 17, 18 और 19 मार्च तक राज्य के कई हिस्सों में बरसाती माहौल रहेगा। अहमदाबाद और गांधीनगर में भी सामान्य बारिश होगी। इस दौरान राज्य में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक 16 मार्च को अमरेली, गिर सोमनाथ, भावनगर, बनासकांठा, साबरकांठा, वलसाड, पाटण, सूरत, तापी, नर्मदा, डांग और कच्छ में गरज के साथ बेमौसमी बारिश होगी। 17 मार्च को सूरत, तापी, वडोदरा, वलसाड, अमरेली, बनासकांठा, दाहोद, गांधीनगर, महीसागर, मेहसाणा, डांग, नर्मदा, नवसारी, अहमदाबाद, छोटाउदेपुर, जूनागढ़ और अरवल्ली में गरज के मावठ की संभावना है। 18 मार्च को तापी, वलसाड, अमरेली, जूनागढ़, दाहोद, डांग, नवसारी और दमण में बेमौसमी बारिश हो सकती है। जबकि 19 मार्च को राज्य के 7 जिलों में बेमौसमी बारिश होने की संभावना है।

राज्य के कई जिलों में बेमौसमी बारिश हो रही है और इससे सबसे बड़ा नुकसान किसानों का हो रहा है। जामनगर, द्वारका समेत कच्छ में बेमौसमी बारिश होने से गेहूं, अरंडी, आलू, जीरा और आम की फसल को भारी नुकसान होने की खबर है।

शिहोरी के अस्पताल में आग, एक नवजात शिशु की जलकर मौत,बच्चे गंभीर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा, कांकरेज के शिहोरी स्थित बच्चों के हनी मल्टीस्पेश्यालिटी अस्पताल में आग लगने की घटना सामने आई है। इस घटना में एक नवजात शिशु की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जब यह घटना हुई तब अस्पताल के आईसीयू वार्ड में तीन बच्चे उपचाराधीन थे। घटना को लेकर बच्चों के परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की कांकरेज तहसील के शिहोरी में बच्चों की हनी मल्टीस्पेश्यालिटी अस्पताल है। जहां आज सुबह अचानक आग भड़क उठी। अस्पताल के आईसीयू अस्पताल में आग की घटना से अफरातफरी मच गई। खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया।